Dhauladhar Sandesh

News Letter of Central University of Himachal Pradesh

Volume : 10 | October - December 2024

हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय और वोल्वरहैम्पटन विश्वविद्यालय इंग्लैंड के बीच हुआ समझौता ज्ञापन

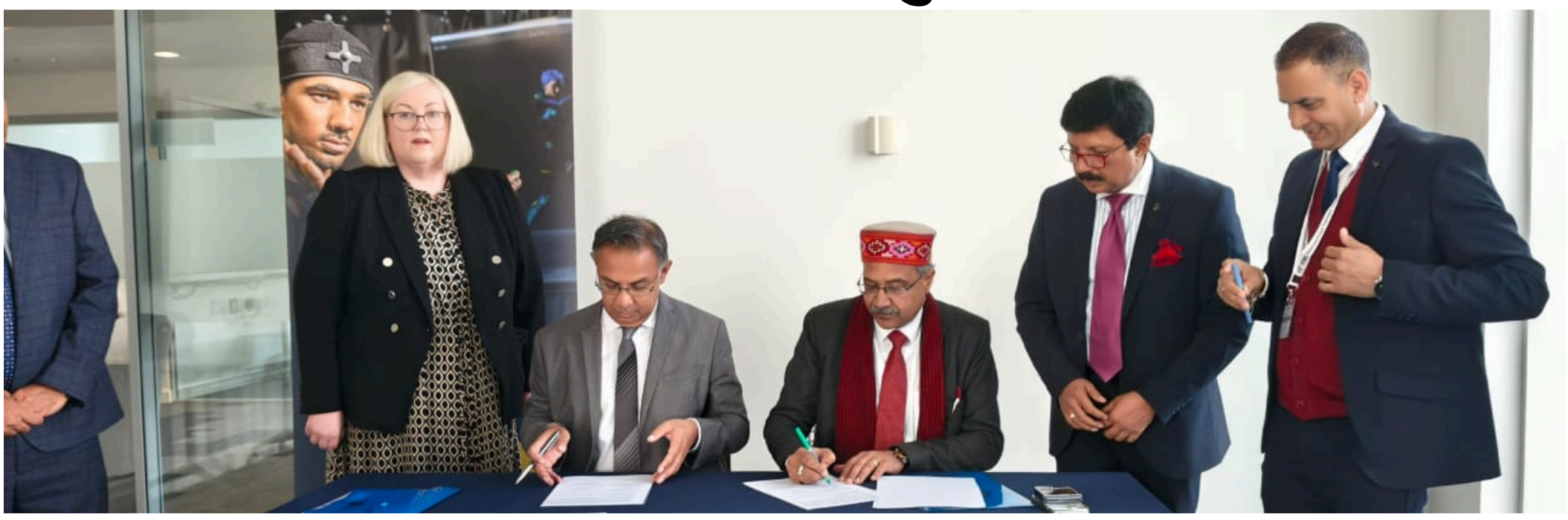

समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करते हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विवि और वोल्वरहैम्पटन विवि के पदाधिकारी। **Photo: धौलाधार सन्देश**

धर्मशाला हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय का एक प्रतिनिधि मंडल कुलपति आचार्य सत प्रकाश बंसल की अगुवाई में वोल्वरहैम्पटन विश्वविद्यालय इंग्लैंड में 02 अक्तूबर से 06 अक्तूबर तक इंडियन टूरिज्म एंड हॉस्पिटैलिटी कांग्रेस (ITHC) के पन्द्रहवें अधिवेशन में भाग लिया। इस अधिवेशन का इस वर्ष का मुख्य विषय 'पर्यटन और आतिथ्य व्यवसाय में परिवर्तन: प्रौद्योगिकी और स्थिरता का अंगीकरण' रखा गया। इस अधिवेशन में पर्यटन और आतिथ्य व्यवसाय के विभिन्न आयामों पर सार्थक चर्चा हुई और साथ ही पर्यटन में प्रौद्योगिकी और स्थिरता के पहलुओं पर गंभीर विचार विमर्श किया गया। इस पन्द्रहवें अधिवेशन में 02 अक्तूबर से 06 अक्तूबर तक विभिन्न विषयों पर सत्र संचालित किये गए, जिनमें सतत पर्यटन प्रथाओं में नवाचार, आतिथ्य प्रबंधन आदि में प्रौद्योगिकी संचालित नवाचार, नीतिगत ढाँचे और सतत पर्यटन विकास की परिकल्पना इत्यादि विषयों पर चर्चा और परिचर्चा की

> पर्यटन और आतिथ्य उद्योग तकनीकी, नवाचार और स्थिरता की अनिवार्य दोहरी ताकतों द्वारा संचालित गहन परिवर्तन से गुजर रहा है। यह विकास यात्रा, आवास और सेवाओं के परिदृश्य को नया आकार दे रही है, जिससे कि पारंपरिक व्यावसायिक मॉडल और प्रथाओं पर पुनर्विचार की आवश्यकता है। इन परिवर्तनों को अपनाना केवल एक विकल्प नहीं है बल्कि तेजी से विकसित हो रहे बाजार में प्रतिस्पर्धी और प्रासंगिक बने रहने की मूलभूत आवश्यकता है। यही कारण है कि इंडियन टूरिज्म एंड हॉस्पिटैलिटी कांग्रेस (ITHC) के पन्द्रहवें अधिवेशन में इस विषय को प्रखरता से उठाया गया है। **(प्रो. सत प्रकाश बंसल)**

जानकारी देते हुए कुलपति आचार्य सत प्रकाश बंसल ने कहा कि प्रौद्योगिकी और स्थिरता के माध्यम से पर्यटन और आतिथ्य उद्योग का परिवर्तन एक बहुआयामी प्रक्रिया है जिसके लिए समग्र दृष्टिकोण की आवश्यकता है। तकनीकी प्रगति का लाभ उठाकर और टिकाऊ प्रथाओं के लिए प्रतिबद्ध होकर, व्यवसाय न केवल अपनी परिचालन दक्षता और ग्राहक संतुष्टि बढ़ा सकते हैं बल्कि हमारे ग्रह के संरक्षण में भी योगदान दे सकते हैं। गौरतलब रहे कि कुलपति आचार्य सत प्रकाश बंसल इंडियन टूरिज्म एंड हॉस्पिटैलिटी कांग्रेस (ITHC) के राष्ट्रीय अध्यक्ष भी हैं। कुलपति आचार्य सत प्रकाश बंसल ने दूरभाष पर जानकारी दी कि केंद्रीय विश्वविद्यालय हिमाचल प्रदेश ने इस अधिवेशन के दौरान आज आयोजित हुए कुलपति शीर्ष समिति की बैठक में वोल्वरहैम्पटन विश्वविद्यालय इंग्लैंड के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किये हैं जिससे केंद्रीय विश्वविद्यालय हिमाचल प्रदेश और वोल्वरहैम्पटन विश्वविद्यालय, इंग्लैंड के अनेक विद्यार्थियों, शोधार्थियों और शिक्षकों को निश्चय ही लाभ मिलेगा । इस समझौते कार्यक्रम में वोल्वरहैम्पटन विश्वविद्यालय इंग्लैंड के कुलपति प्रो. इब्राहिम अदिया और हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति आचार्य सत प्रकाश बंसल के साथ वोल्वरहैम्पटन विश्वविद्यालय इंग्लैंड आर्ट्स बिज़नस और सोशल साइंस की अधिष्ठाता प्रो. क्लेयर श्चोफ़िएल्ड, आर्ट्स बिज़नस और सामाजिक विज्ञान विभाग के सह – अधिष्ठाता प्रो. महाराज विजय रेड्डी और यात्रा एवं आतिथ्य प्रबंधन स्कूल के अधिष्ठाता एवं कुलसचिव प्रो. सुमन शर्मा, हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय के शैक्षणिक सहयोग के निदेशक प्रो. संदीप कुलश्रेष्ठ उपस्थित रहे ।

उन्होंने इस समझौता ज्ञापन के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि यह समझौता दोनों विश्वविद्यालयों में शिक्षण और अध्यापन के साथ-साथ शोध की समझ को भी विकसित करने में अहम भूमिका का निर्वहन करेगा। इस समझौते के साथ ही दोनों विश्वविद्यालयों के मध्य संकाय विनिमय व छात्र विनिमय जैसे नए कार्यक्रमों का सूत्रपात होगा।

इस अधिवेशन में हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति आचार्य सत प्रकाश बंसल, कुलसचिव एवं पर्यटन, यात्रा एवं आतिथ्य प्रबंधन स्कूल के अधिष्ठाता प्रो. सुमन शर्मा, हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय के शैक्षणिक सहयोग के निदेशक प्रो. संदीप कुलश्रेष्ठ ने भाग लिया।

विदेशों में पढ़ रहे विद्यार्थियों को भारतीय ज्ञान परंपरा से अवगत करवाएगा सीयू- प्रो. बंसल

धर्मशाला। हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सत प्रकाश बंसल ने कहा कि यूनाइटेड किंगडम में भारतीय मूल के लगभग 139,539 शिक्षा वीजा के तहत शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं। इन विद्यार्थियों को भारतीय ज्ञान परंपरा से अवगत करवाना अत्यंत आवश्यक है जिससे कि विद्यार्थी भारत और भारतीयता पर गर्व कर सकें और भारतीयता का परचम संपूर्ण विश्व में लहरा सकें । लगभग 13 लाख (1300000) विद्यार्थी भारत से विदेशों में शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं जो एक बहुत बड़ी संख्या है। ये सभी भारतीय मूल के विद्यार्थी भारत के बारे में जानने के लिए इच्छुक भी हैं और इनको भारतीय ज्ञान परंपरा से जोड़ने का प्रयास करना चाहिए। कुलपति अपने लंदन दौरे के दौरान इंडिया नॉलेज कंसोर्टियम की ओर से लंदन के प्रतिष्ठित किंग्स कॉलेज में आयोजित एक संगोष्ठी कार्यक्रम के दौरान शिक्षकों, भारतीय मूल के विद्यार्थियों और ब्रिटिश मूल के विद्यार्थियों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि केंद्रीय विश्वविद्यालय हिमाचल प्रदेश उन सभी भारतीय मूल के विद्यार्थियों जो कि विदेशों में खासकर यूरोप और मिडिल ईस्ट में शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं उनके लिए भारतीय ज्ञान-परंपरा के नए पाठ्यक्रम शुरू करेगा और अन्तर्राष्ट्रीय शैक्षणिक सहयोग से विश्वविद्यालयों के साथ संधि करके इन विद्यार्थियों को भारतीय ज्ञान परंपरा से रूबरू करवाएगा। भारत विश्व गुरु है इसे ध्यान रखते हुए केंद्रीय विश्वविद्यालय भारतीय ज्ञान परंपरा का सुदूर देशों में प्रचार-प्रसार करेगा ताकि यहाँ रह रहे विद्यार्थी भारत की मिट्टी, शौर्य, पराक्रम और स्वर्णिम इतिहास से परिचित हो सकें ।

केंद्रीय विश्वविद्यालय में शिक्षक दिवस पर कार्यक्रम का आयोजन, कुलपति रहे मौजूद

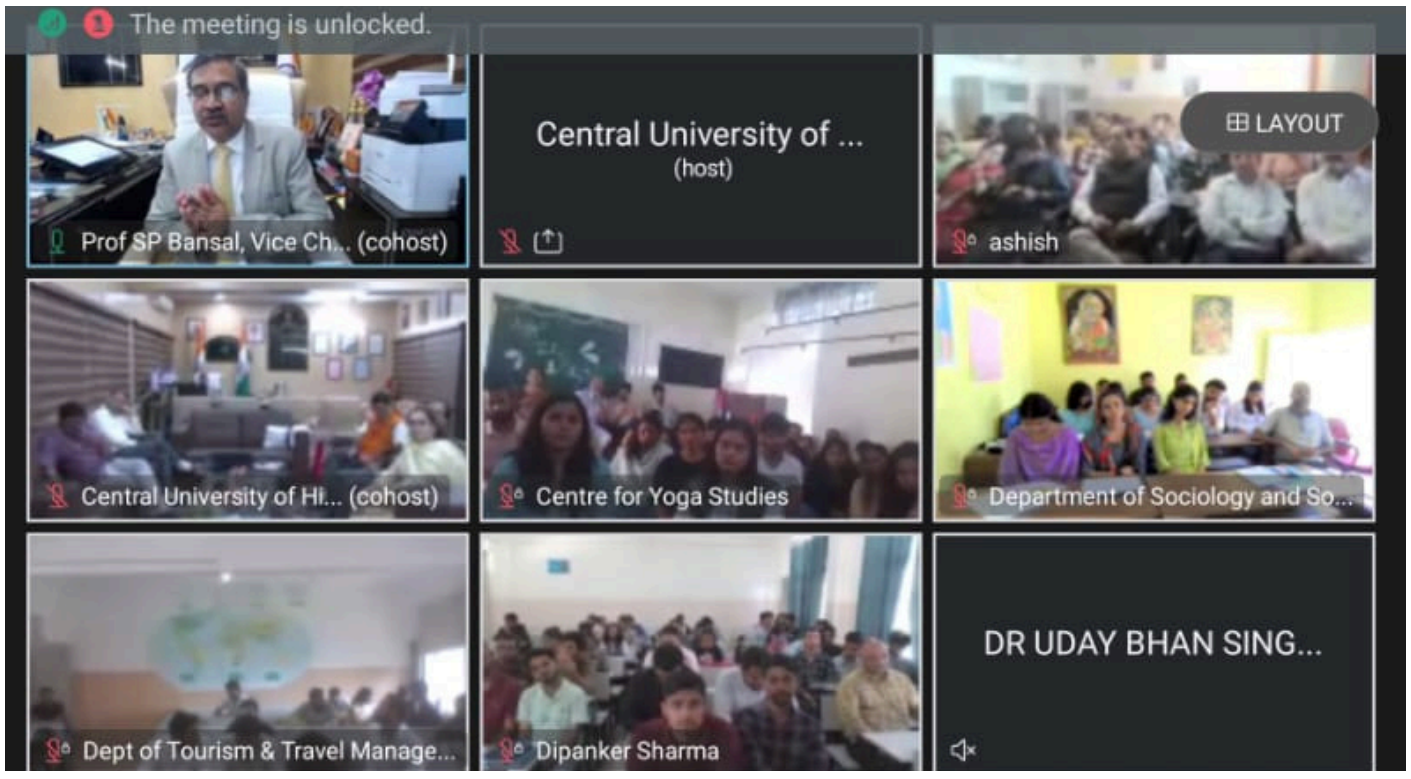

धर्मशाला। कुलपति प्रो. सत प्रकाश बंसल ने कहा कि शिक्षक विद्यार्थी के जीवन में सर्वाधिक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं । माँ के बाद शिक्षक ही हैं जो विद्यार्थी के जीवन को दिशा देते हैं । अब वह समय नहीं है कि शिक्षक को कक्षा में जाकर मात्र सिलेबस पूरा करवाना है। बल्कि अब शिक्षक की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है, उन्हें राष्ट्र निर्माण के लिए विद्यार्थियों को तैयार भी करना है।

यह बात उन्होंने शिक्षक दिवस के अवसर पर संकाय सदस्यों और विद्यार्थियों-शोद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कही। कुलपति ने तीनों परिसरों के संकाय सदस्यों, विद्यार्थियों-शोधार्थियों को कुलपति सचिवालय से ऑनलाइन संबोधित किया। उन्होंने सभी संकाय सदस्यों को शिक्षक दिवस की भूरिशः बधाई दी और उन्हें शिक्षक के दायित्व से परिचित कराया । इस अवसर पर तीनों परिसरों के संकाय सदस्य अपनी-अपनी कक्षाओं के साथ इस विशेष कार्यक्रम में जुड़े। इस मौके पर अधिष्ठाता अकादमिक प्रो. प्रदीप कुमार ने कुलपति का स्वागत करते हुए संकाय सदस्यों को शिक्षक दिवस की बधाई दी। वहीं कुलपति ने कहा कि केंद्रीय विश्वविद्यालय ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की संस्तुतियों को लागू करने में भारत भर में काफी सराहनीय एवं कारगर भूमिका निभाई है | निश्चय ही राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास की महत्वपूर्ण पहल है। विद्यार्थियों को अपने जीवन में सुनिश्चित लक्ष्य तय करना होगा ताकि उनके जीवन को सही दिशा मिल सके। उन्हें समय-समय पर लक्ष्य को हासिल करने के लिए प्रोत्साहित करने की आवश्यकता है । शिक्षकों का गंभीर दायित्व है कि उनका यथोचित मार्गदर्शन करें और उन्हें नैतिक रूप से सबल बनाएँ | कुलपति प्रो. बंसल ने संबोधन के पश्चात तीनों परिसरों के विद्यार्थियों से भी बातचीत की और उनकी समस्याओं को गंभीरता के साथ सुना। इस अवसर पर कुलसचिव प्रो. सुमन शर्मा, अधिष्ठाता अकादमिक प्रो. प्रदीप कुमार मौजूद रहे।

पर्यटन सप्ताह के प्रथम दिन गरली - प्रागपुर हेरिटेज गाँव पहुँचे विद्यार्थी

धर्मशाला। हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय के पर्यटन, यात्रा एवं आतिथ्य प्रबंधन विभाग ने पर्यटन सप्ताह के प्रथम दिन गरली - प्रागपुर हेरिटेज गाँव का भ्रमण किया। इस कार्यक्रम का शुभारंभ कुलपति प्रो. सत प्रकाश बंसल ने हरी झंडी दिखाकर किया और साथ ही स्कूल के समस्त विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को इस हेरिटेज यात्रा के लिए बधाई एवं शुभकामनाएँ भी प्रेषित कीं । गरली पंचायत पहुँचने पर इस यात्रा में सर्वप्रथम चातेउ गरली हैरिटेज होटल का भ्रमण किया और इसके बारे में जानकारी एकत्रित की।

इसके बाद गरली ग्राम पंचायत की प्रधान शशि लता के माध्यम से ग्राम पंचायत गरली के पंचायत भवन में एक सेमिनार का आयोजन किया जिसमें पंचायत प्रधान के साथ-साथ उप प्रधान सुशांत मोदगिल, वार्ड मेंबर और आम जनमानस ने अपनी उपस्थिति दर्ज की । कार्यक्रम की शुरुआत में विभाग के अध्यक्ष प्रो. आशीष नाग ने पर्यटन प्रबंधन विभाग द्वारा समस्त ग्राम पंचायत की जनता का स्वागत एवं अभिनंदन किया और कहा कि हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय के पर्यटन प्रबंधन विभाग के विद्यार्थी आम जनता को पर्यटन की उपयोगिता एवं लाभ से परिचित करा रहे हैं | साथ ही इस व्यापक रूप से जागरूकता अभियान भी चला रहे हैं।

पर्यटन सप्ताह के समन्वयक डॉ. हरीश गौतम ने कार्यक्रम की जानकारी देते हुए कहा कि विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों,शोधार्थियों एवं शिक्षकों ने पर्यटन सप्ताह के प्रथम दिन गरली प्रागपुर पंचायत का दौरा किया जिसमें लगभग 100 विद्यार्थियों ने भाग लिया । उन्होंने कहा कि पर्यटन के माध्यम से कैसे स्वरोजगार के अवसर ग्राम के अंदर विकसित हो ? किस तरह यहाँ पर आने वाले पर्यटकों को स्वयं सहायता समूह द्वारा बनाए गए उत्पादों को बेचा जाए और किस तरह से पर्यटन को आजीविका का माध्यम बनाया जाए ? इस पर हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय का पर्यटन विभाग कार्यशाला आयोजित करेगा ताकि आने वाले समय में पंचायत के स्थानीय लोग पर्यटन का लाभ कई मायनों में उठा सकें । ग्राम पंचायत गरली की प्रधान शशि लता ने केंद्रीय विश्वविद्यालय से आए समस्त विद्यार्थियों और शिक्षकों का स्वागत किया और कहा कि केंद्रीय विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों ने यहाँ जो जागरूकता संदेश दिया है वह सराहनीय है | समय-समय पर इस तरह के आयोजन इस ग्राम पंचायत में किये जा सकते हैं ताकि जनमानस को सही दिशा मिल सके | उन्होंने यह भी कहा कि आने वाले समय में विश्वविद्यालय के साथ मिलकर इस गाँव के लिए कुछ सकारात्मक कार्य किए जा सकते हैं जिससे कि पर्यटन के साथ सीधे तौर पर आम जनमानस को जोड़ा जाए | यहाँ आने पर नागरिकों को विभिन्न प्रकार के घरेलू उत्पाद खरीदने और अपने घर ले जाने का सुअवसर प्राप्त हो, जिससे पर्यटन विकास के साथ-साथ ग्रामीण विकास भी सुदृढ़ हो सके। इस मौके पर ग्राम पंचायत गरली के उप प्रधान सुशांत मोदगिल ने भी अपने विचार सांझा किए और साथ ही विद्यार्थियों के प्रश्नों के उत्तर भी दिए। कार्यक्रम में ग्राम पंचायत गरली की वार्ड सदस्य सरोज देवी और ममता देवी, पर्यटन सप्ताह कार्यक्रम के सह समन्वयक डॉ. अमरीक सिंह,पर्यटन विभाग के शिक्षक डॉ. अरुण भाटिया, डॉ. देवाशीष साहू, डॉ. सुंदररमण, शोधार्थी और विद्यार्थी भी उपस्थित रहे।

गरली परागपुर हेरिटेज विलेज यात्रा को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

धर्मशाला। हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय के पर्यटन, यात्रा एवं आतिथ्य प्रबंधन स्कूल द्वारा पर्यटन सप्ताह आयोजित किया गया, जिसके अंतर्गत स्कूल के विद्यार्थियों द्वारा विभिन्न कार्यक्रमों एवं गतिविधियों का आयोजन हुआ । 27 सितंबर 2024 को विश्व पर्यटन दिवस के साथ इसका समापन हुआ । पर्यटन सप्ताह के प्रथम दिन कुलपति प्रो. सत प्रकाश बंसल ने पर्यटन, यात्रा एवं आतिथ्य प्रबंधन स्कूल द्वारा आयोजित गरली परागपुर हेरिटेज विलेज यात्रा को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर कुलपति ने कहा कि हेरिटेज भवन, ग्रामों और दर्शनीय स्थलों आदि की पर्यटन में अहम भूमिका है | पर्यटन में अध्ययनरत विद्यार्थी पंचायतों में जाएंगे और स्थानीय लोगों से मिल कर पर्यटन के बारे में विविध जानकारी देंगे जो अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने विद्यार्थियों में मिष्ठान वितरण कर, उन्हें हरी झंडी दिखाकर गरली प्रागपुर के लिए रवाना किया। इस अवसर पर कुलसचिव प्रो सुमन शर्मा, प्रो. संदीप कुलश्रेष्ठ, प्रो. आशीष नाग, डॉ देवाशीष साहू, डॉ. अरुण भाटिया, डॉ. सुंदररमन पर्यटन सप्ताह के समन्वयक डॉ. हरीश कुमार और सह समन्वयक डॉ. अमरीक सिंह इत्यादि उपस्थित रहे। संयोजक डॉ. हरीश गौतम ने बताया कि 27 सितंबर को विश्व पर्यटन दिवस पर आर्टिजन लाइव वर्कशॉप और मेगा कल्चरल फंक्शन का आयोजन किया गया । सात दिन तक विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए जिनमें हेरिटेज यात्रा, पौधारोपण, एक दिवसीय सेमिनार, राष्ट्रीय क्विज प्रतियोगिता, स्कूल स्तर की क्विज प्रतियोगिता, सफाई अभियान, पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता, वेस्ट टू बेस्ट प्रतियोगिता, सेल्फी बूथ, कारीगर सजीव कार्यशाला, भाषण प्रतियोगिता और सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रमुख थे ।

युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध करवाएगा सीयू

कार्यक्रम में तिब्बत सरकार की रक्षा मंत्री ग्यारी डोलमा रहीं विशिष्ट अतिथि

धर्मशाला। केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सत प्रकाश बंसल ने कहा कि जल्द ही केंद्रीय विश्वविद्यालय 10 गाँवों को गोद लेगा | प्रत्येक गाँव से 10 युवाओं को पर्यटन के साथ जोड़कर जागरूक किया जाएगा ताकि रोजगार और स्वरोजगार से संबंधित प्रशिक्षण केंद्रीय विश्वविद्यालय उन्हें दे सके | इसके लिए तीन से 6 माह की अवधि के लिए सर्टिफिकेट और डिप्लोमा कोर्स भी शुरू किया जाएगा। जिसका पूरा क्रियान्वयन केंद्रीय विश्वविद्यालय का पर्यटन, यात्रा एवं आतिथ्य प्रबंधन स्कूल करेगा और 3 महीने में लगभग 100 युवाओं को स्वरोजगार दिया जाएगा। वे हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय के पर्यटन, यात्रा एवं आतिथ्य प्रबधन स्कूल के पर्यटन सप्ताह के उद्घाटन समारोह में बोल रहे थे। इससे पहले स्कूल के छात्रों, शोधार्थियों और शिक्षकों ने मुख्य अतिथि कुलपति प्रो. सत प्रकाश बंसल का गर्मजोशी से स्वागत किया । कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्जवलन के साथ हुआ।

इस मौके पर कुलपति प्रो. सत प्रकाश बंसल ने अपने उद्बोधन में कहा कि केंद्रीय विश्वविद्यालय का पर्यटन, यात्रा एवं प्रबंधन स्कूल पर्यटन सप्ताह का आयोजन कर रहा है जिसमें विभिन्न प्रकार की गतिविधियों एवं कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है जिसके लिए समस्त स्कूल बधाई का पात्र है। पिछले दिन केंद्रीय विश्वविद्यालय धर्मशाला के पर्यटन विभाग के विद्यार्थी

गरली प्रागपुर पंचायत गए और वहाँ के ग्रामीणों के साथ मिलकर एक दिवसीय सेमिनार का आयोजन किया । इस सेमिनार के दौरान पर्यटन व रोजगार से जुड़ी विभिन्न जानकारियाँ पंचायत प्रतिनिधियों और स्थानीय लोगों के साथ सांझा की गईं । वहीं उद्घाटन समारोह में तिब्बत सरकार की रक्षा मंत्री ग्यारी डोलमा विशिष्ट अतिथि की भूमिका में रहीं । उन्होंने पर्यटन और बुद्ध सर्किट से जुड़ी तमाम जानकारियाँ विद्यार्थियों के साथ सांझा की। उन्होंने कहा कि पर्यटन, यात्रा एवं आतिथ्य प्रबंधन विभाग पर्यटन को लेकर अत्यधिक जागरूक है जिसने समय-समय पर न केवल धर्मशाला अपितु प्रदेश भर में पर्यटन विकसित हो इस हेतु लगातार कार्य किये हैं । उन्होंने कहा कि धर्मशाला में बुद्धिस्ट सर्किट से जुड़ी ऐसी बहुत-सी जानकारियाँ और स्थल उपलब्ध हैं जिनको विश्व के मानचित्र पर लाना अत्यंत आवश्यक है जिसके लिए पर्यटन के विद्यार्थी, शोधार्थी और शिक्षक एकजुट होकर कार्य कर सकते हैं।

उद्घाटन समारोह में विशिष्ट अतिथि हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय के शोध निदेशक प्रो. प्रदीप नायर और वाणिज्य एवं प्रबंधन विभाग के अधिष्ठाता प्रो. संजीव गुप्ता रहे । उद्घाटन समारोह के उपरांत एक दिवसीय सेमिनार का आयोजन भी पर्यटन यात्रा एवं आतिथ्य प्रबंधन विभाग ने किया जिसमें डॉ. प्रेम सागर ईगल्स हाइट ट्रैक्टर्स के निदेशक, रूट एंड फ्लावर्स के अध्यक्ष, राजीव चौहान, अपनी हटी के संस्थापक अनुभव शर्मा, इन्फिनिटी सेंट्रिक के जनरल मैनेजर सिद्धार्थ मित्रा उपस्थित रहे।

सेमिनार के दौरान अपने वक्तव्य में सभी ने व्यवहारिक ज्ञान विद्यार्थियों को प्रदान किया और नौकरी ढूंढने वाले नहीं अपितु नौकरी देने वाले बनने के लिए प्रेरित किया। उद्घाटन समारोह के दौरान स्कूल के अधिष्ठाता एवं कुलसचिव प्रो. सुमन शर्मा, विभाग के अध्यक्ष प्रो. आशीष नाग, कार्यक्रम के समन्वयक डॉ हरीश कुमार, सह समन्वयक डॉ अमरीक सिंह, सह आचार्य डॉ देवाशीष साहू, सहायक आचार्य डॉ अरुण भाटिया, सहायक आचार्य सुंदररमण, समस्त शोधार्थी और विद्यार्थी उपस्थित रहे ।

हिंदी पखवाड़ा 2024

धर्मशाला। संघ की राजभाषा नीति के अनुपालन में हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा हिंदी पखवाड़ा, 2024 का आयोजन 17 से 25 सितंबर, 2024 तक किया गया। 14 सितंबर, 2024 को भारत मंडपम, नई दिल्ली में माननीय गृह मंत्री, भारत सरकार की गरिमामयी उपस्थिति में हिंदी दिवस समारोह के आयोजन के साथ हिंदी पखवाड़ा, 2024 का शुभारंभ हुआ। पखवाड़ा के दौरान विश्वविद्यालय में शैक्षणिक एवं शिक्षकेतर कर्मियों तथा विद्यार्थियों-शोधार्थियों के लिए कुल 06 प्रतियोगिताएँ निर्धारित की गई थीं। इनमें विश्वविद्यालय के शिक्षकेतर कर्मियों के लिए - हिंदी टिप्पण एवं प्रारूपण प्रतियोगिता, स्नातक विद्यार्थियों के लिए निबंध लेखन प्रतियोगिता, स्नातकोत्तर विद्यार्थियों (पीजी डिप्लोमा, सर्टिफिकेट कार्यक्रमों सहित) के लिए चित्र अभिव्यक्ति प्रतियोगिता, शोधार्थियों के लिए वाद-विवाद प्रतियोगिता, शिक्षकों के लिए आशुभाषण प्रतियोगिता तथा शोधार्थियों- विद्यार्थियों के लिए काव्य पाठ प्रतियोगिता का आयोजन शामिल है। इन प्रतियोगिताओं का आयोजन हिंदी पखवाड़ा आयोजन समिति द्वारा परिसरवार किया गया। प्रत्येक प्रतियोगिता के लिए कुल 05 पुरस्कार निर्धारित थे, जिसमें प्रथम पुरस्कार 1500/-रु., द्वितीय 1000/-रु., तृतीय 750/-रु. तथा प्रोत्साहन (दो) –500/- रु. प्रत्येक शामिल हैं।

इस दौरान दिनांक 20.09.2024 एवं दिनांक 23.09.2024 को हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय के क्रमश: शाहपुर परिसर और सप्त सिंधु परिसर (1+2) संयुक्त, देहरा के शिक्षकेतर कर्मियों के लिए प्रतियोगिता से पहले हिंदी टिप्पण एवं प्रारूपण पर कार्यशालाएँ आयोजित की गईं, जिनमें श्री संजय कुमार सिंह, सहायक निदेशक (राजभाषा) द्वारा टिप्पण और प्रारूपण के विभिन्न प्रारूपों पर चर्चा की गई । हिंदी पखवाड़ा, 2024 के दौरान आयोजित 24 प्रतियोगिताओं के कुल 127 विजेताओं को कुल 1,02,000/- रु. राशि के नकद पुरस्कार प्रदान किए गए। हिंदी पखवाड़ा समापन समारोह में माननीय कुलपति महोदय के कर-कमलों द्वारा विजेताओं को प्रमाणपत्र से सम्मानित किए जाने का प्रस्ताव है।

कनिष्क-अंतरिक्ष प्रश्नोत्तरी और भाषण प्रतियोगिता में अमीषा रहीं पहले स्थान पर

धर्मशाला। हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय के पर्यटन, यात्रा एवं आतिथ्य प्रबंधन विभाग ने पर्यटन सप्ताह के दौरान विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया। इन प्रतियोगिताओं में सर्वप्रथम जिला स्तरीय स्कूल प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें 12 स्कूलों के विद्यार्थियों ने भाग लिया। यह प्रतियोगिता पर्यटन और शांति विषय पर आधारित रही और विद्यार्थियों से समसामयिक और पर्यटन से जुड़े हुए प्रश्नों को पूछा गया।

इस प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर गुरुकुल वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय के कनिष्क जरयाल और अंतरिक्ष शर्मा ने प्राप्त किया। दूसरे स्थान पर वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय (छात्र) के अर्पित और आदित्य सिंह रहे। तीसरे स्थान पर डीएवी वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय के अक्षरा थापा और राज शर्मा रहे। इसके उपरांत अंतरविश्वविद्यालयी प्रतियोगिताओं में पोस्टर मेकिंग और भाषण प्रतियोगिता आयोजित की गई जिसमें भाषण प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर जंतु विज्ञान विभाग की छात्रा अमीषा धीमान रहीं । द्वितीय स्थान पर एमबीए विभाग की निकिता ठाकुर रहीं। तीसरे स्थान पर जंतु विज्ञान विभाग के छात्र रजत कुमार रहे। पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर गणित विभाग के छात्र मृदुल रहे। दूसरे स्थान पर वाणिज्य विभाग की छात्राएँ अंशिका चौहान और मीनाक्षी रहीं । तीसरे स्थान पर पत्रकारिता विभाग की छात्राएँ प्रतिष्ठा, सिमरन पटियाल और मुस्कान रहीं। पर्यटन सप्ताह के समन्वयक डॉ. हरीश गौतम ने बताया कि पर्यटन यात्रा एवं आतिथ्य प्रबंधन स्कूल विद्यार्थियों को मंच प्रदान करने का कार्य समय समय पर करता रहता है। इसी कड़ी में वेस्ट टू बेस्ट प्रतियोगिता का आयोजन भी विभाग के माध्यम से किया गया जिसमें 17 टीमों ने भाग लिया । इस प्रतियोगिता में प्रथम स्थान मोनिका देवी ने दूसरा स्थान विनायक गुरुंग तीसरा स्थान कृष्णा शर्मा ने अर्जित किया। इसके साथ ही स्कूल के समस्त विद्यार्थियों ने परिसर में सफाई अभियान भी चलाया जिसमें परिसर के सौन्दर्य को बढ़ाने हेतु पूरी तन्मयता से कार्य किया। 26 सितम्बर को पर्यटन यात्रा एवं आतिथ्य प्रबंधन स्कूल राष्ट्रीय पर्यटन क्विज प्रतियोगिता का आयोजन कर रहा है जिसमें 22 टीमों ने पंजीकरण किया है। इन प्रतियोगिताओं के सफल आयोजन हेतु विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो सत प्रकाश बंसल ने समस्त स्कूल को बधाई दी। वहीं स्कूल के अधिष्ठाता प्रो सुमन शर्मा ने कहा कि इस बार का पर्यटन सप्ताह पूर्व में हुए सप्ताहों से अलग है। इस बार अनेक प्रकार की गतिविधियाँ आयोजित की जा रही है जिससे विश्वविद्यालय के अन्य स्कूलों के विद्यार्थियों को भी मंच मिल रहा है। प्रत्येक कार्यक्रम में पर्यटन सप्ताह कार्यक्रम के सह समन्वयक डॉ. अमरीक सिंह,पर्यटन विभाग के शिक्षक डॉ. अरुण भाटिया, डॉ. देवाशीष साहू, डॉ. सुंदररमण, शोधार्थी और विद्यार्थी उपस्थित रहे।

Strengthening the future ready foundation

As we usher in the New Year, it is a moment of pride to reflect on the remarkable strides made by the Central University of Himachal Pradesh (CUHP) in fostering a culture of continuous growth and visionary planning. The university's commitment to excellence has been acknowledged through its prestigious NAAC "A+"accreditation, with impressive CGPA of 3.42—a testament to its unwavering dedication to quality education and academic brilliance.

In pursuit of global excellence, CUHP has recently taken a significant leap by establishing an international collaboration with the University of Wolverhampton, England. This landmark Memorandum of Understanding (MoU) is poised to provide international exposure to both students and faculty, paving the way for enriching academic exchanges, collaborative research and international exposure.

CUHP continues to strengthen its reputation as a leading research-driven university, contributing extensively to the academic excellence through numerous publications in highly reputed journals. These contributions and rigour of the faculties continuously take the h-index of the university at new heights.

Beyond academics, CUHP remains deeply committed to its ethos of community connect. In a significant initiative to enhance its connection with the society, CUHP has recently adopted 10 villages to empower local youth and work collaboratively towards creating a sustainable and progressive future of the village youth. This initiative highlights the university's dedication to fostering development at the grassroots level and nurturing a spirit of inclusivity and social responsibility.

As we step into another year of opportunities, CUHP stands resolute in its mission to blend academic excellence with community connect. Undoubtedly, CUHP will lead in the field of academic ventures.

Ram Pravesh Rai, Editor

Letter to the Editor

I, Vipasha Bisht, a Research Scholar in the Department of English, would like to draw your attention to the addition of a Students' Column in the University Newsletter. This column could serve as a platform to showcase students' activities, highlight their demands, and address their needs within the campus. It will play a pivotal role in fostering a constructive dialogue between students and the university administration. Such a column could also encourage greater student engagement by providing them with a voice to share their experiences and achievements. Additionally, this initiative could strengthen the sense of community within the university, making it a more collaborative and student-centric space.

Shweta Sharma The University Newsletter offers a comprehensive overview of the various activities organized across the university, but physical copies of the newsletter are not currently available to students. On behalf of my fellow students, I kindly request that hard copies of the newsletter be distributed to each department across all campuses.

Celebrating Roots: Reviving the Cultural Spirit of Himachal Pradesh

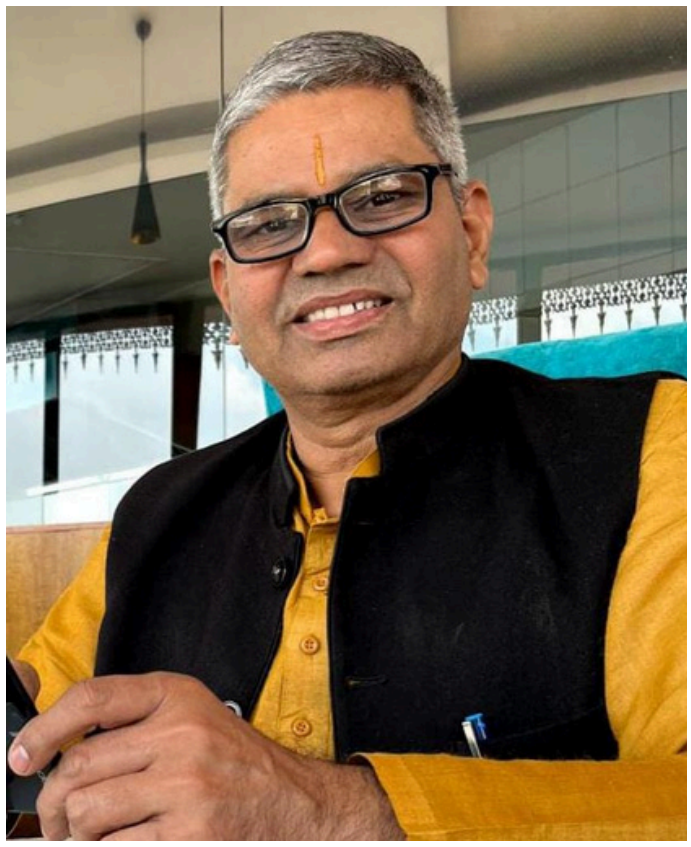

Himachal Pradesh, with its magnificent mountains and ancient customs, is a bastion of cultural richness. But that treasure trove is increasingly at risk in today's world. The festivities that were once jubilant proclamations of the state's spiritual and cultural foundations are now more often than not a pretext for another round of superficial fun. And while the traditional art forms that were once revered (in some cases, nearly worshipped) seem set for an inexorable path toward obsolescence, their replacements have, if anything, become even more devoid of any aesthetic or spiritual merit than the apolitical pop drivel that was supposedly replacing the old, honorific songs.

For a long time, the fairs and festivals of Himachal Pradesh offered much more than simple, joyous distractions. They allowed people not only to mingle but also to share values, performing arts, and cultural traditions that matter in an added way that could almost be called sacred. Today, that seems a bit of an archaic notion, and we recognize that these events sometimes occupy a dubious zone on the borders of entertainment and "edutainment." But even if you look at them strictly through the lens of performance studies, which is a field with deep roots in anthropology, festivals and fairs in Himachal permit a staggering amount of time for communities to engage in the art of going on record with one another.

Himachal's cultural identity is anchored by the Bajantari, the musicians who play the kind of devotional and spiritual music that most directly speaks to the mountain state's citizens. The tunes of the Bajantari have for generations conveyed the message of the past to the present, connecting the state's people to the art and to their make-do hill heritage. Yet the art and artists of the Bajantari are now shelved and nearly "museum-fied" to make space for more contemporary or commercially viable arts and artists. The world of indifferently inured Himachal seems increasingly poised to let the art and artists of the Bajantari slip into obscurity, remembered only in the way past generations have remembered the art of the lute or the drone of the open flue organ.

The move toward modernity and the trend toward fusion have both served to further distance society from its traditional roots. In times gone by, the community upheld its cultural mandates, ensuring that heritage provision thrived with the same kind of natural vigor as a family tree. Today, though, the opportunities presented by capitalism have seduced us into neglecting those mandates in pursuit of profit; this is especially true in the event production industry. Events should don't serve either a perfunctory or a profit-making purpose; an event's reason for being should be entertainment with educational value.

Not just remnants of the past, the traditions of Himachal Pradesh are a divine endowment, richly entwined with the spiritual and moral society fabric of the region. Yet, in their very birthplace, these traditions are being ridiculed as the fairs and festivals associated with them wander off into the netherworld of fauxpaloozas. Some parts of the world may define culture through ephemerally pleasurable experiences; Indian culture, by and large, prefers to celebrate enduring values with a pleasingly uneventful but spiritually rich lifestyle. These festivals' future may become a fading memory of contemporary times unless we make a timely intervention.

Safeguarding this heritage calls for concerted action, not just from the government but also from members of the local and international community whose interests and values align with ours. We must equip our younger generations with all the knowledge, forms, and skills that make up our living tradition, so they can carry it forward. At the same time, we must pay greater attention to and enhance the art worship that is performed emblematic of such forms, and also the acts and events that make up this tradition, to resonate with our modern sensibilities.

Even with the odds stacked against them, numerous artists across Himachal Pradesh keep pushing forward to safeguard the age-old traditions they grew up with. They work in both the public and private sectors to pay the bills and keep life manageable, creating all the while. These artists make the space to work because they believe in what they do. Folk dances like naati, traditional ballads, and songs recounting historical legends are still being created by these individuals. They need our support, though, because their cultural treasures are at risk of becoming obsolete and because their very communities are at risk of cultural monolithism and having their worldviews dictated by an increasingly homogenized global culture.

The cultural heritage of Himachal Pradesh is a rare and unmatched asset imbued with profound historical and spiritual value. It is incumbent upon us to guard and advance that heritage, a bounden duty that is also a pleasure. Elucidating on local traditions, even if one is doing so over a bonfire on a winter night, is not simply a private or familial affair. It is a public act, one with significant civic or "cultural commons" importance that serves to inspire members of society to actively mainline that divine legacy.

अध्ययन-अध्यापन, परीक्षाओं में हिंदी प्रयोग को दें बढ़ावा- प्रो. बंसल

धर्मशाला। हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सत प्रकाश बंसल ने सभी विभागों/केंद्रों में पढ़ाए जा रहे पाठ्यक्रमों को शीघ्र ही द्विभाषी करने और अध्ययन-अध्यापन तथा परीक्षाओं में हिंदी प्रयोग को बढ़ाने के निर्देश दिए । इसके साथ ही उन्होंने देहरा, जिला कांगड़ा में निर्माणाधीन स्थायी परिसर के सभी नामपट्टों आदि को द्विभाषा में तैयार कर स्थापित करने के भी निर्देश दिए । उन्होंने ये निर्देश केंद्रीय विश्वविद्यालय धौलाधार परिसर-1 के सेमिनार कक्ष में 'भारत सरकार की राजभाषा नीति के अनुपालन और विश्वविद्यालय में राजभाषा हिंदी की प्रगति' की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए दिए। इस बैठक में कुलपति ने राजभाषा हिंदी के मदों के अनुपालन की बिंदुवार समीक्षा की । साथ ही, प्रो. बंसल ने विश्वविद्यालय के अधिष्ठाताओं, विभागाध्यक्षों और केंद्र निदेशकों के साथ हिंदी के प्रचार-प्रसार और अधिकाधिक उपयोग को बढ़ावा देने के लिए नए प्रस्तावों पर विचार-विमर्श भी किया । कुलपति ने इस बात पर संतोष व्यक्त किया कि विश्वविद्यालय की ओर से मूल पत्राचार शत- प्रतिशत हिंदी में किया जा रहा है और केंद्र सरकार तथा राज्य सरकारों से प्राप्त अंग्रेजी पत्रों का भी अधिकाधिक उत्तर हिंदी में दिया जा रहा है। उन्होंने राजभाषा हिंदी के सुचारू और प्रभावी क्रियान्वयन हेतु सभी विभागों/केंद्रों को सक्रिय सहयोग और समयबद्ध कार्य पूर्ण करने के भी निर्देश दिए | जिससे कि हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय पूरे भारत में हिंदी में कामकाज करने की दृष्टि से सर्वोत्तम विश्वविद्यालय बन सके। वहीं इस अवसर पर विशेष आमंत्रित अतिथि हिंदी के विद्वान डॉ. गौतम शर्मा 'व्यथित' ने कुलपति प्रो. सत प्रकाश बंसल, द्वारा विश्वविद्यालय में हिंदी के संवर्धन हेतु उनकी प्रतिबद्धता तथा हिंदी की उत्तरोत्तर प्रगति के लिए उनकी सतत चिंता की भूरि-भूरि प्रशंसा की। विश्वविद्यालय द्वारा हिंदी और पहाड़ी भाषाओं सहित स्थानीय लोकाचार आदि को बढ़ाने और पल्लवित करने का कार्य प्रारंभ किया गया है, जिसके लिए विश्वविद्यालय के संरक्षक बधाई के पात्र हैं।

कुलसचिव प्रो. सुमन शर्मा ने कहा कि आगामी वर्षों में हिंदी भाषा के प्रयोग को सोशल आउटरीच के तौर पर स्थानीय समुदायों के मध्य बढ़ाने के लिए कतिपय कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। इस दौरान बैठक का संचालन सहायक निदेशक राजभाषा संजय कुमार सिंह ने किया। इसके साथ ही आयोजित बैठक में कुलपति प्रो. सत प्रकाश बंसल, हिंदी के लब्ध प्रतिष्ठित विद्वान डॉ. गौतम 'व्यथित', कुलसचिव प्रो. सुमन शर्मा, अधिष्ठाता अकादमिक प्रो. प्रदीप कुमार, परीक्षा नियंत्रक प्रो. ए. के. महाजन, अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. सुनील कुमार सहित विश्वविद्यालय के सभी परिसरों से आए हुए विभिन्न स्कूलों एवं विभागों के अधिष्ठाता एवं विभागाध्यक्ष उपस्थित रहे।

विद्यार्थी सीख रहे अनुसंधान विधियां- आंकड़े विश्लेषण

धर्मशाला। केंद्रीय विश्वविद्यालय हिमाचल प्रदेश के अर्थशास्त्र विभाग की ओर से पाँच दिवसीय अनुसंधान विधियाँ एवं आंकड़े विश्लेषण (Research Methodology and Data Analysis) विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। । इस कार्यशाला के उद्घाटन समारोह में हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सत प्रकाश बंसल मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे । उनके साथ विशेष अतिथि के रूप में अधिष्ठाता अकादमिक प्रो. प्रदीप कुमार तथा कुलसचिव हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय प्रो. सुमन शर्मा मौजूद रहे। अर्थशास्त्र विभाग के विभागाध्यक्ष एवं समाज विज्ञान स्कूल के अधिष्ठाता प्रो.संजीत सिंह ने कुलपति का स्वागत किया । इस कार्यशाला में केंद्रीय विश्वविद्यालय हिमाचल प्रदेश के तीनों परिसरों से लगभग 70 शोधार्थियों एवं विद्यार्थियों ने भाग लिया । इस दौरान कुलपति ने अर्थशास्त्र विभाग द्वारा तैयार की गई नवग्रह वाटिका का उद्घाटन भी किया । इस संबंध में प्रो.संजीत सिंह ने बताया कि इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य नए शोधार्थियों को अनुसंधान विधि से अवगत करवाना है। वहीं इस कार्यशाला के उद्घाटन सत्र में कुलपति प्रो. सत प्रकाश बंसल ने अपने संबोधन में कहा कि अनुसंधान विधियों एवं आंकड़े विश्लेषण से संबंधित इस कार्यशाला का उद्देश्य तभी पूरा होगा जब इसमें लेक्चर की जगह बच्चों को व्यक्तिगत प्रशिक्षण (Hands on Training) दिया जाएगा। इस कार्यशाला की सफलता इस बात पर पर निर्भर करती है कि 5 दिनों के अंदर प्रतिभागियों को यह समझ आ जाए कि सार (Synopsis) कैसे लिखते हैं? कुलपति ने अर्थशास्त्र विभाग को बधाई देते हुए कहा कि इस तरह के कार्यक्रम भविष्य में भी आयोजित किए जाने चाहिए ।

रिमोट सेंसिंग विषय पर सर्टिफिकेट कोर्स शुरू करेगा सीयू, शाहपुर में रिमोट सेंसिंग-जीआईएस के अनुप्रयोग पर कार्यशाला शुरू

धर्मशाला। हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय, शाहपुर में रिमोट सेंसिंग और जीआईएस के अनुप्रयोग के संबंध में एक कार्यशाला आयोजित की गई । इस कार्यशाला का शुभारंभ कुलपति प्रो. सत प्रकाश बंसल, मुख्य अतिथि, प्रो. दीपक पंत, विभागाध्यक्ष, पर्यावरण विज्ञान विभाग, प्रो. ए.के. महाजन कार्यशाला अध्यक्ष, डॉ दिलबाग सिंह और डॉ. आलोक कुमार पाण्डेय द्वारा किया गया।

डॉ. मनोज कुमार, वैज्ञानिक और डॉ. राम कुमार सिंह, सीओई-एसएलएम, आईएनएफआरई, देहरादून पाँच दिवसीय कौशल विकास प्रशिक्षण के लिए प्रशिक्षक के रूप में उपस्थित हुए थे। कार्यशाला की शुरुआत विभागाध्यक्ष प्रो. दीपक पंत के संक्षिप्त स्वागत भाषण से हुई। उन्होंने रिमोट सेंसिंग और जीआईएस के विभिन्न पहलुओं के बारे में बात की और इस कार्यशाला से प्राप्त ज्ञान को विद्यार्थियों को अपने करियर में लागू करने के लिए प्रोत्साहित किया। इसके बाद कुलपति प्रो. सत प्रकाश बंसल जी ने आभासीय मंच से विशेषज्ञों का हार्दिक स्वागत किया और रिमोट सेंसिंग के अनुप्रयोग आदि के बारे में बात की। उन्होंने वर्तमान परिप्रेक्ष्य में सुदूर सम्वेदन के प्रयोग और आपदा में संभावना के बारे मे बताया। कुलपति ने आगामी सत्र हेतु घोषणा करते हुए कहा कि अगले शैक्षणिक वर्ष से हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय में रिमोट सेंसिंग विषय पर सर्टिफिकेट और डिप्लोमा पाठ्यक्रम शुरूकिया जाएगा। रिमोट सेंसिंग के मूल सिद्धांतों पर कार्यशाला के अध्यक्ष ए.के.महाजन और डॉ आलोक कुमार पाण्डेय द्वारा व्याख्यान दिया गया, जिसके बाद डॉ. राम कुमार सिंह ने व्याख्यान दिया।दोपहर के भोजन के बाद, डॉ. राम कुमार, डॉ. मनोज कुमार और डॉ आलोक पाण्डेय द्वारा जीआईएस डेटा और रिमोट सेंसिंग डेटा प्रोसेसिंग के लिए व्यावहारिक अभ्यास पर व्याख्यान दिया गया। अगले दिन कार्यशाला वानिकी पारिस्थितिकी और पर्यावरणीय स्थिरता में वर्तमान रिमोट सेंसिंग प्रौद्योगिकी और भू -स्थानिक प्रौद्योगिकी अनुप्रयोगों के बारे में ऑनलाइन व्याख्यान के साथ शुरुआत हुई। डॉ. अनिल कुमार, वरिष्ठ वैज्ञानिक/इंजीनियर "एसजी" और फोटोग्राममेट्री और रिमोट सेंसिंग डिपार्टमेंट ऑफ इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ रिमोट सेंसिंग (IIRS), इसरो, देहरादून, भारत के प्रमुख ने विस्तार से उक्त विषय पर व्याख्यान दिया। उन्होंने कृषि क्षेत्र में वर्तमान भू-स्थानिक प्रौद्योगिकी परिदृश्य के बारे में बात की। उन्होंने कृषि क्षेत्र के बारे में कई अध्ययन उदाहरण के माध्यम से दिखाए। व्याख्यान के अंत में, उन्होंने रिमोट सेंसिंग इमेज वर्गीकरण और मैपिंग के लिए उनके द्वारा लिखी गई दो पुस्तकों के बारे में बताया।

कार्यशाला में डॉ. हितेंद्र पडलिया, आईआईआरएस देहरादून ने भी वानिकी, पारिस्थितिकी और पर्यावरणीय स्थिरता में भू -स्थानिक प्रौद्योगिकी अनुप्रयोगों पर अपना व्याख्यान दिया। उन्होंने मुख्य रूप से वन संरक्षण की तैयारी जैसे विभिन्न क्षेत्रों में भू -स्थानिक प्रौद्योगिकी की महत्वपूर्ण भूमिकाओं पर ध्यान केंद्रित किया। डॉ. मनोज कुमार, डॉ. राम कुमार सिंह और डॉ. आलोक पाण्डेय ने व्याख्यान दिया और लैपटॉप पर विद्यार्थियों को अभ्यास कराया। छात्रों ने मानचित्र के विभिन्न बिंदुओं का अध्ययन और जियोरेफ्रेंसिंग के साथ जियोकोडिंग के बारे में सीखा। वहीं तीसरे दिन के छात्रों ने रिमोट सेंसिंग की वर्तमान तकनीकों के बारे में ज्ञान प्राप्त किया और अभ्यास किया। कार्यशाला के चतुर्थ दिन हिमालय में क्रायोस्फेयर से जुड़े खतरों को चिह्नित करने के लिए भू-सूचना विज्ञान पर व्याख्यान हुई ।

डॉ. इरफान राशिद कार्यशाला में ऑनलाइन रूप से जुड़े,वह कश्मीर विश्वविद्यालय के पृथ्वी विज्ञान विभाग में सहायक प्रोफेसर के रूप में कार्यरत हैं। उन्होंने भूविज्ञान और सूचना प्रौद्योगिकी पर चर्चा की, जो पृथ्वी के संसाधनों के प्रबंधन के लिए महत्वपूर्ण डेटा एकत्र करने के लिए जीपीएस/जीएनएसएस, जीआईएस, एरियल फोटोग्राफी और उपग्रह रिमोट सेंसिंग का उपयोग करते हैं ।

इस कार्भूयशाला में जल संभावना और स्थल चयन में रिमोट सेंसिंग और जीआईएस का उपयोग डॉ. संजय पांडे, वरिष्ठ वैज्ञानिक, केंद्रीय भूजल बोर्ड, जल शक्ति मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा दी गई प्रस्तुति का विषय था। इसके बाद लाइसेंस प्राप्त और ओपन सोर्स क्यू-जीआईएस सॉफ्टवेयर के परिचय पर एक व्याख्यान दिया गया। डॉ. मनोज कुमार, डॉ. राम कुमार और डॉ. आलोक पाण्डेय ने जीआईएस सॉफ्टवेयर पर व्यावहारिक अभ्यास प्रतिभागियों को करवाया।

केंद्रीय विवि के शाहपुर परिसर में पर्यावरण विभाग और शोध द्वारा तीन दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला

धर्मशाला। हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय के शाहपुर परिसर में पर्यावरण विभाग एवं मानवता के समग्र विकासार्थ विद्यार्थी (शोध) द्वारा तीन दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला "अनुसंधान आउटपुट और अनुसंधान नैतिकता की दृश्यता और गुणवत्ता बढ़ाना" का आयोजन दिनांक 9-11 अक्तूबर 2024 के दौरान किया गया । दिनांक 9 अक्तूबर 2024 को उद्घाटन समारोह का आयोजन हुआ जिसमें मुख्य अतिथि प्रो. ए. सी. पांडे, निदेशक अंतर विश्वविद्यालय तवर्क केंद्र (IUAC), विशिष्ट अतिथि प्रो. प्रदीप कुमार, अधिष्ठाता अकादमिक, हिप्रकेवि मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

हिमाचल प्रदेश के शोध प्रमुख डॉ. हरीश गौतम ने शोध की जानकारी रखते हुए बताया कि शोध विभिन्न विषयों के विद्यार्थियों को एक मंच पर लाने का प्रयास है जिसे इंटर डिसीप्लिनरी अप्रोच को बढ़ावा मिल सके। शोध का लक्ष्य सामाजिक समस्याओं के ऊपर शोध को बढ़ावा देना है और हो चुके शोध को समाज के बीच में पहुँचाना है। प्रो. ए. सी. पांडे ने समाज के समग्र विकास में अनुसंधान का योगदान एवं व्यावहारिक विज्ञान को सैद्धांतिक विज्ञान से जोड़ने पर जोर दिया और अनुसंधान में बहुविषक दृष्टिकोण अनुसंधान करने के लिए शोधार्थियों को प्रोत्साहित किया। प्रो. प्रदीप कुमार ने अपने वक्तव्य में अनुसंधान का समाज में प्रभाव के विषय के बारे में जानकारी दी।

कार्यशाला में तीन सत्र रहे, सत्रशः हुई गतिविधियों की बात की जाये तो, उनका विवरण इस प्रकार रहा :

1) प्रो. ओ. एस. के. एस. शास्त्री ने "How to know oneself" पर अपना वक्तव्य रखा।

2) प्रो. ए. के. महाजन ने अपने वक्तव्य में शोधार्थियों को ग्रुप डिस्कशन का सुझाव देते हुए अपने शोध कार्य में प्रगति लाने का सुझाव दिया।

3) डॉ. विक्रम शर्मा ने अपने वक्तव्य में साहित्य की समीक्षा के विषय में शोधार्थियों से चर्चा की और विश्वविद्यालय में उपलब्ध ओपन एक्सेस शोध सामग्री के बारे में जानकारी दी।

यह कार्यक्रम बहुत ही सफल रहा । सभी शोधार्थियों एवं प्रतिभागियों ने कार्यशाला की गुणवत्ता एवं प्रतिफल की विशेष रूप से सराहरना की । और विश्वविद्यालय प्रशासन से आग्रह किया कि निकटतम भविष्य में भी ऐसे कार्यक्रमों का आयोजन होता रहना चाहिये ।

अब कचरा बनेगा सोना : वैभवी कौशिक

धर्मशाला। हिमाचल हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय धर्मशाला मे वेस्ट टू वेल्थ विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया । यह आयोजन विश्वविद्यालय के अंग्रेजी, हिन्दी, संस्कृत, पंजाबी एवं डोगरी, शिक्षा, नव मीडिया एवं जनसंचार विभाग के संयुक्त तत्वावधान मे किया गया। इस कार्यक्रम मे अंदरेटा की रहने वाली वैभवी कौशिक (समाज सुधारक) बतौर मुख्य वक्ता, विजय कौशिक विशिष्ट अतिथि व हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता अकादमिक प्रो. प्रदीप कुमार बतौर कार्यक्रम अध्यक्ष मौजूद रहे। कार्यक्रम कि मुख्य वक्ता वैभवी कौशिक ने विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागाध्यक्षों, छात्रों को कचरे व कबाड़ से जुगाड़ बनाने हेतु एक विजुअल प्रेज़न्टैशन के माध्यम से संबोधित किया। उन्होंने अपने वक्तव्य मे छात्रों को हिमाचल मे कचरा प्रबंधन कर रही हिमाचल की दो प्रमुख संस्थाएँ – वेस्ट वारियर व हीलिंग हिमाल्या संस्था के बारे में बताया व समाज के अंदर उनके द्वारा किए गए कार्यों की सराहना करते हुए छात्रों को अवगत करवाया। उन्होंने बताया कि हम किस प्रकार से कचरे से विभिन्न वस्तुएँ बना सकते हैं। यह कचरा हमारे लिए सोने जैसा है यदि हम इसका पूर्ण रूप से सही इस्तेमाल करें। उन्होंने कुछ चलचित्रों के माध्यम से छात्रों को प्रेरित करते हुए बताया कि हमारे द्वारा फेंके गए कचरे व प्लास्टिक की वस्तुओं से वर्तमान समय मे बहुत सी उपयोगी वस्तुएँ बनाई जा रही हैं, जैसे कि ईंट, ईंधन, इंक, पुराने फूलों से अगरबत्ती बनाना आदि। उन्होंने वस्तुओं के रीयूज – रीसाइकल पर जोर देते हुए कचरा नियोजन व प्रबंधन हेतु सभी से आग्रह किया। कार्यक्रम में विशिष्ट रूप से मौजूद विजय कौशिक ने छात्रों से उनके मन मे चल रहे सवालों को जाना व उनके उत्तर दिए। उन्होंने छात्रों से कचरा प्रबंधन पर सुझाव भी मांगे। कार्यक्रम अध्यक्ष प्रो. प्रदीप कुमार ने अपने अध्यक्षीय सम्बोधन मे अपने बचपन को याद करते हुए बताया कि जिस प्रकार बचपन मे अधिकतर बच्चे प्लास्टिक व पॉलिथीन की गेंद बनाकर खेलते थे, वो भी एक प्रकार से कचरा प्रबंधन का हिस्सा है। इस कार्यक्रम मे केंद्रीय विश्वविद्यालय के विभिन्न विभाग के शिक्षकों, शोधर्थियों व छात्रों ने भाग लिया।

नेशनल फोटो प्रतियोगिता में रोमांचिता रही प्रथम

धर्मशाला। हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय की ओर से रेनबो इंटरनेशनल स्कूल, नगरोटा बगवां में तीन दिवसीय "इंडियन एसोसिएशन फिजिक्स टीचर्स" के 38वें वार्षिक सम्मेलन का शुभारंभ किया गया, जिसमें विभिन्न राज्यों से शिक्षक और विद्यार्थी शामिल हुए। इस विशेष अवसर पर प्रो. पी. के. आहलूवालिया की पुस्तक "एन एन्सेम्बल ऑफ़ सराउंड फिजिक्स (An Ensemble of Surround Physics)" का विमोचन किया गया। हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय और रेनबो इंटरनेशनल स्कूल के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस वार्षिक सम्मेलन के दौरान मुख्य अतिथि प्रो. एस. पी. बंसल ने कहा कि आज के युवा शोधार्थी विज्ञान के क्षेत्र में नई खोजों की ओर तेजी से बढ़ रहे हैं। उन्होंने यह भी बताया कि विश्वविद्यालय में छात्र और शिक्षक विज्ञान से संबंधित शोध कार्यों में सक्रिय रूप से लगे हुए हैं, जिससे ज्ञान का विस्तार हो रहा है। उन्होंने इस सम्मेलन को एक महत्वपूर्ण मंच बताया, जहाँ शोधकर्ता, नवप्रवर्तक, शिक्षक और छात्र अपने वैज्ञानिक दृष्टिकोण, अनुभव और शोध कार्यों को साझा कर सकते हैं। यहाँ किए जा रहे विचार-विमर्श न केवल हमारे ज्ञान को समृद्ध करेंगे, बल्कि विज्ञान के क्षेत्र में नई दिशाओं की खोज में भी सहायक सिद्ध होंगे। विशेष रूप से भौतिकी शिक्षा के शोध के क्षेत्र में ऐसे मंच नवाचार को बढ़ावा देने, युवा दिमागों को प्रेरित करने और शिक्षा एवं वैज्ञानिक अनुसंधान के बीच के संबंध को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

मूल प्रति में दिए गए चित्रों के बिना नहीं समझी जा सकती संविधान की भावना: प्रो. अग्निहोत्री

धर्मशाला। संविधान निर्माताओं ने भारतीय संस्कृति और सभ्यता के प्रतिनिधि चित्रों को विशेष स्थान प्रदान किया। संविधान की मूल प्रति में वर्णित उन्हीं चित्रों में संविधान की मूल आत्मा बसती है। उन चित्रों के बिना अंबेडकर के संविधान को सही ढंग से नहीं समझा जा सकता। संविधान दिवस के अवसर पर 26.11.2024 को केंद्रीय विश्वविद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में हरियाणा साहित्य एवं संस्कृति अकादमी के उपाध्यक्ष प्रो. कुलदीप चंद अग्निहोत्री ने यह बात कही। कार्यक्रम की अध्यक्षता अधिष्ठाता अकादमिक प्रो. प्रदीप कुमार ने की। इस कार्यक्रम में प्रो. अग्निहोत्री बोले कि भारत की स्वतंत्रता से पूर्व अंग्रेजों ने एक नैरेटिव चलाया गया कि भारतीय स्वयं का संविधान तैयार करने में सक्षम नहीं हैं।भारतीय विशेषज्ञों ने अपनी उच्च बौद्धिक क्षमताओं से हर भारतीय की आकांक्षाओं की पूर्ति करने वाला संविधान तैयार कर दिया, तो इंग्लैंड की तरफ से यह नैरेटिव बढ़ाया गया कि भारत का संविधान उधार का थैला है। उन्होंने ने कहा कि संविधान में उपयुक्त शब्द अन्य देशों के संविधान से भी मिल सकते हैं, मगर हमारे संविधान की भावना पूरी तरह से भारतीय है। भारत सरकार के कानून मंत्रालय को चाहिए कि वह संविधान की मूल प्रति को प्रकाशित करवाएं, ताकि हर भारतीय संविधान की मूल आत्मा को समझ सके। प्रो. अग्निहोत्री ने कहा कि विकास के दो पक्ष होते हैं। पहला भौतिक पक्ष और दूसरा सांस्कृतिक पक्ष। विकास का भौतिक पक्ष आत्माहीन होता है, जबकि सांस्कृतिक पक्ष कहीं अधिक गहरा और स्थायी होता है।

सीयू के छात्रों ने ओणम पर आयोजित किए कार्यक्रम पारंपरिक समूह नृत्य पर लूटी वाहवाही

धर्मशाला। हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय के धौलाधार परिसर 2 में विश्वविधालय में पढ़ने वाले केरल के छात्रों की ओर से ओणम के अवसर पर सांस्कृतिक उत्सव आयोजित किया । इस कार्यक्रम के माध्यम से केरल के छात्रों ने दर्शकों को ओणम के इतिहास और महत्व से अवगत कराया। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्ज्वलित कर और अतिथियों के स्वागत के साथ हुई। परिसर निदेशक डॉ. आशीष नाग और प्रोफेसर संदीप कुलश्रेष्ठ द्वारा ओणम पर समस्त विद्यार्थियों को बधाई दी गई। कुलसचिव प्रो. सुमन शर्मा कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने छात्रों को इस उत्सव की बधाई दी । इसके बाद छात्रों ने पारंपरिक ओणम गीत की प्रस्तुति ने खूब तालियाँ बटोरी। केरल के छात्रों ने अपने तिरुवथिराकली (पारंपरिक समूह नृत्य) को एक फ्यूजन के साथ प्रस्तुत किया। छात्रों ने अपने ओणम पोस्टर को जारी किया और इसके बाद नींबू चावल जैसे कुछ खेलों का आयोजन किया गया, जो केरल में प्रचलित खेल पर पारंपरिक शुरुआत का प्रतीक था। विद्यार्थियों ने म्यूजिकल चेयर, बोरी रेस, उरीयादी और टग ऑफ वॉर के खेलों में बढ़चढ़ कर भाग लिया। पूरे कार्यक्रम के दौरान बहुत उत्साह और आनंद बना रहा और अंत में छात्रों ने मलयालम गीतों के साथ-साथ क्षेत्रीय भाषाओं के जीवंत और ऊर्जावान प्रदर्शन किया।

केंद्रीय विवि के बिजनेस स्कूल द्वारा मादक पदार्थों का दुरुपयोग और साइबर अपराध पर संवाद सत्र आयाजित

धर्मशाला। हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय के हिप्रकेवि बिजनेस स्कूल के कैंपस टू करियर क्लब द्वारा परिसर- I स्थित सेमिनार हॉल में "मादक पदार्थों का दुरुपयोग और साइबर अपराध - रोकथाम और नियंत्रण" पर एक प्रभावी परस्पर संवाद सत्र का आयोजन किया गया। इस सत्र में मादक पदार्थों के दुरुपयोग और साइबर अपराध जैसे ज्वलंत मुद्दों पर चर्चा की गई, जिसमें छात्रों को मादक पदार्थों के रोकथाम और नियंत्रण के उपायों पर महत्वपूर्ण जानकारी दी गई। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कांगड़ा के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री हितेश लखनपाल थे। श्री लखनपाल ने मादक पदार्थों के दुरुपयोग और साइबर अपराध की चुनौतियों पर अमूल्य जानकारियाँ साझा कीं, जिससे उपस्थित लोगों पर गहरा प्रभाव पड़ा। विभागाध्यक्ष प्रो. दीपांकर शर्मा ने सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया और इन महत्वपूर्ण सामाजिक मुद्दों पर जागरूकता बढ़ाने के महत्व पर बल दिया। एचपीकेवी बिजनेस स्कूल के अधिष्ठाता प्रो. संजीव गुप्ता ने भी इस विषय पर अपने विचार साझा किए। श्री लखनपाल ने छात्रों के साथ अपने अनुभव साझा किए और साइबर अपराध और मादक पदार्थों के दुरुपयोग की रोकथाम और नियंत्रित करने के लिए के लिए मार्गदर्शन दिया। उन्होंने छात्रों को विभिन्न प्रकार के साइबर अपराधों के बारे में जानकारी दी और इनके शिकार होने से बचने के तरीकों के बारे में जानकारी दी। क्लब के संयोजक डॉ. देवेश और डॉ. भावना भारद्वाज ने कार्यक्रम के आयोजन के लिए छात्र स्वयंसेवकों को बधाई दी।

दिव्यांश शर्मा ऑल इंडिया यूनिवर्सिटी बैडमिंटन चैम्पियनशिप के लिए चयनित

धर्मशाला। हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय की बैडमिंटन टीम के कैप्टन दिव्यांश शर्मा को ऑल इंडिया यूनिवर्सिटी बैडमिंटन चैम्पियनशिप के लिए चयनित किया गया है। बीते दिनों केंद्रीय विश्वविद्यालय की बैडमिंटन टीम ने अंतर विश्वविद्यालय प्रतियोगिता में चित्तकारा विश्वविद्यालय चंडीगढ़ में भाग लिया था । उसी में शानदार प्रदर्शन को लेकर टीम के कैप्टन दिव्यांश शर्मा को यह मौका मिला है। इस प्रतियोगिता मे हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय की टीम का पहला मैच इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय मीरपुर, हरियाणा की टीम के साथ हुआ, जिसमें केंद्रीय विश्वविद्यालय की टीम 3-0 से विजयी रही। टीम का दूसरा मुकाबला पंजाब कृषि विश्वविद्यालय, लुधियाना के साथ हुआ । जिसमें में भी केंद्रीय विश्वविद्यालय की टीम 3-0 से विजयी रही । इसके साथ ही टीम क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर गई। क्वार्टर फाइनल मुकाबला टिहरी गढ़वाल विश्वविद्यालय उत्तराखण्ड के साथ हुआ इसमें केंद्रीय विश्वविद्यालय हिमाचल प्रदेश की टीम 2-3 से हार गई । दिव्यांश के शानदार प्रदर्शन के कारण दिव्यांश को ऑल इंडिया यूनिवर्सिटी बैडमिंटन चैम्पियनशिप के लिए चयनित किया गया । इस पर केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सत प्रकाश बंसल ने टीम के शानदार प्रदर्शन के लिए टीम को बधाई दी है

स्वच्छता मित्रों को विशेष किट देकर किया सम्मानित

धर्मशाला। हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय में स्वच्छता अभियान 4.0 के अंतर्गत धौलाधार परिसर एक एवं दो में स्वच्छता अभियान चलाया गया। जिसमें विद्यार्थियों ने अपने-अपने विभाग तथा परिसर में सफाई की । इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति सत प्रकाश बंसल ने सभी प्राध्यापकों, विद्यार्थियों और शोधार्थियों, शिक्षकेतर कर्मचारियों एवं सफाई कर्मचारी मित्रों को स्वच्छता की शपथ दिलाई एवं विशेष स्वच्छता किट का वितरण किया । इस दौरान उन्होंने एनएसएस द्वारा 'एक पेड़ माँ के नाम' कार्यक्रम के अंतर्गत लगाई गई पौधों की नर्सरी का अवलोकन किया।

इस अवसर पर कुलपति ने कहा कि स्वच्छता बाहरी रूप से भी नहीं अपितु विचारों में भी लानी होगी और यह कार्यक्रम एक दिन एक हफ्ता या पखवाड़ा नहीं बल्कि प्रत्येक दिन करने के लिए हमें संकल्प लेना होगा और स्वच्छता को स्वभाव में लाना पड़ेगा । आज अगर हम इस दिवस पर स्वच्छता की शपथ लेते हैं, तो सबसे पहले इसमें हमें आत्मसात करना होगा, फिर आगे लोगों को इसके बारे में भी जागरुक करना होगा। इसी तरह अगर यह श्रृंखला चलेगी तो इस अभियान को और भी बल मिलेगा।

इस मौके पर विश्वविद्यालय के नोडल अधिकारी डॉ. मलकीयत सिंह ने बताया कि यह कार्यक्रम 17 सितंबर से 2 अक्तूबर तक चला जिसके तहत विभिन्न प्रकार की गतिविधियाँ जिनमें स्वच्छता अभियान, जागरूकता रैलियां सौंदर्य करण, पुराने जल स्रोतों का पुनर्उद्धार एवं स्वच्छता मित्रों का सम्मान आदि कई प्रकार की गतिविधियाँ की गईं । इस अवसर पर कुलपति द्वारा सम्मानित स्वच्छता मित्रों शकुंतला देवी, अमन बाला, सकीना देवी आशा देवी, बबली, किरण, कामना, विजय, रामू, आरती सुजित, सल्पना, मंजीता, राहुल, भावना, सुनिता, पुष्पा आकाश, प्रदीप, सपना और कान्ता शामिल रहे। वहीं इस अवसर पर कुलसचिव प्रो. सुमन शर्मा, अधिष्ठाता अकादमिक प्रो. प्रदीप कुमार, अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. सुनील ठाकुर, परिसर निदेशक प्रो. रोशन लाल शर्मा, परिसर एक के नोडल अधिकारी डॉ. रामप्रवेश राय और डॉ. उदय भान सिंह उपस्थित रहे।

Department of Political Science Organizes an Insightful Debate on "One Nation, One Election"

Dharamshala The Discussion and Debating Society (DEBSOC) of the Department of Political Science under the guidance of faculty members and research scholars organized an enriching debate on "One Nation, One Election" on October 09, 2024. The debate aimed to engage students in the ongoing political activity that is going in the nation and enrich their understanding of the political system and culture of the country.

Dr. Vimal Kumar Kashyap opened the debate with a brief introduction about how the debates used to take place in our country and what are the ways to participate in a productive debate. He also emphasized on the significance of elections in a democracy, giving a brief about One Nation One Election. Four students from the Department of Political Science namely Rukshana Bhatt, Pushpa Raj, Ravi Roshan Roy and Archita Chhibber participated in the debate and presented various advantages and disadvantages of One Nation One Election. While Pushpa Raj and Rukhsana Bhatt spoke for the motion, Ravi Roshan Roy and Archita Chhibber spoke against the motion, presenting the pros and cons in the multi-dimensional aspects of "One Nation, One Election" including its impact on the Indian economy and the psychology of the voters.

After the end of the debate, a very enriching and engaging session of questions and queries raised by students generated new ideas and opinions. The interactive session reflected the critical thinking and deep understanding of the students on the topic of the debate.

The event was enriched by the presence of Head of the Department of Political Science Dr. Jagmeet Bawa, Dr. Vimal Kumar Kashyap, Dr. Jyoti and Jagesh Kumar. They provided an additional comprehensive political analysis in resonance with the participants.

The debate was concluded by Professor Jagmeet Bawa, Head of the Department of Political Science, summarizing the significant takeaways from the debate. He made a detailed and scientific analysis of "One Nation, One Election" with its significance, benefits and implication for the nation.

Dr. Jagmeet Bawa congratulated the students and faculty members for organizing such an enriching and engaging event and encouraged the society to conduct more of such events to foster a deeper understanding of contemporary issues. As per students such events build the confidence among the students and give them better understanding of the topic.

The event drew the participation of students from different departments, making it a truly interdisciplinary initiative. DEBSOC's discussion on "One Nation One Election" proved to be a successful platform for nurturing analytical thinking and a comprehensive understanding of national issues.

CUHP Students showing talent in various sports

Dharamshala The annual sports activities began at the Shahpur Campus of the Central University of Himachal Pradesh w.e.f. 24 October 2024 to 25 October 2024 under the valuable guidance of the Hon'ble Vice Chancellor, Prof. Sat Prakash Bansal. Prof. Bansal gave best wishes to the players for the three days' annual sports activities. Prof. Suman Sharma, the Sports Director, also provided his best wishes to the students and said that sports activities are being organised in each campus of the university simultaneously. The Dean Students' Welfare, Prof. Sunil Kumar and Campus Director Prof. Bhag Chand Chauhan inaugurated the sports activities at Shahpur campus. Prof. Sunil said that every student should take part in sports activities as these are essential for the comprehensive personality building of the students. Prof. Chauhan also motivated the students and asked them to play the game in the spirit of the game. As per information from Prof. Rakesh Kumar, the sports coordinator of Shahpur Campus and Dean, School of Mathematics, Computers and Information Sciences, about four hundred students participated in various games such as kabaddi, volleyball, badminton, carrom, chess, tug of war and athletics at Shahpur Campus.

Central University of Himachal Pradesh Participates in Vibrant India Expo 2024

Dharamshala The Central University of Himachal Pradesh, Dharamshala proudly participated as an exhibitor in the Vibrant India Expo 2024 held from October 25-27 at Dilli Haat, Pitampura, New Delhi. Organized by NNS Media Group, this prestigious event brought together a diverse mix of government entities, academic institutions, industry experts and cultural organizations, leading to India's cultural richness and economic dynamism ahead of the Diwali festivities. An inspiring atmosphere was created to celebrate Vibrant India Fair 2024, Dilli Haat, Pitampura in which the Central University of Himachal Pradesh, Dharamshala got the first position in higher education. Organized by NNS Media Group, the Vibrant India Expo is a momentous event that brings together academic institutions, government bodies, industries and cultural organizations from across the country to celebrate India's economic and cultural achievements. This prestigious accolade strengthens the university's position as a leader in higher education with a mission to integrate academic research and sustainability.

Highlighting Academic Excellence and Cultural Heritage, Dr. Amrik Singh, Deputy Director of the International Student Centre and Assistant Professor at CUHP Centre for Promotion of Ecological, Adventure, Health and Cultural Tourism, Dr. Lalit Mohan Sharma, Assistant Professor, School of Education, Central University of Himachal Pradesh showcased their research initiatives and academic outreach at the event. The Central University of Himachal Pradesh demonstration/exhibition emphasized academic outreach, environmental sustainability and cultural mobility.

The stall attracted remarkable interest, standing out among exhibitors, which included renowned organizations like IIM-Bombay, Ministry of Defense, Indian Railways and Ministry of Food Processing Industries. The Central University of Himachal Pradesh delegation actively interacted with dignitaries, business leaders, government representatives and other academic institutions.

The event facilitated meaningful discussions, research collaborations with leading institutions, especially in education, tourism and environmental sustainability. Policy-level engagement explored ways to contribute toward environmental and cultural mobility. Student exchange and internship program aims to enhance student mobility in government entities, academic institutions, industry experts and cultural organizations and cultural preservation sectors.

The Central University of Himachal Pradesh stall was appreciated for its unique presentation, which underlines the university's commitment to academic sustainability and cultural preservation. Participation in Vibrant India 2024 has strengthened the national profile of the Central University of Himachal Pradesh and established potential partnerships that align with its mission of promoting students' participation in ecological and cultural conservation areas. The successful participation of the Central University of Himachal Pradesh underlines the importance of engaging in trade shows and exhibitions to promote national and international relations, paving the way for future cooperation and development.

Special Screening of the Film *Gattu* at CUHP Organized by the Department of Journalism and Mass Communication, Filmmaker Rajan Khosla Remains Present

Dharamshala The Department of Journalism and Mass Communication hosted a special screening of the critically acclaimed film Gattu, directed by renowned filmmaker Rajan Khosla. Held in the university auditorium, the event offered students an engaging cinematic experience and a unique platform to interact with the director.

Rajan Khosla is an internationally acclaimed filmmaker known for *Gattu* (2011), which received a special mention at Berlinale and the National Film Award for the Best Children's Film. His earlier film, *Dance of the Wind* (1997), garnered accolades such as the Best Director Award at the London Film Festival and the Audience Award at the Rotterdam Film Festival. Khosla's work is celebrated for its emotional depth, cultural authenticity, and universal appeal. The program commenced with an address by Dr. Archana Katoch, Head of the Department of Journalism and Mass Communication, who welcomed the distinguished guests and the director. This was followed by an enlightening lecture by Dr. R.P. Rai, the Dean of the School, highlighting Rajan Khosla's distinctive approach to filmmaking and storytelling.

The screening of Gattu captivated the audience with its inspiring tale of a young boy's dreams and determination. The film's powerful narrative and emotional depth left a lasting impression on both students and faculty, making it a memorable experience for all present. After the screening, students had the opportunity to participate in an interactive Q&A session with Rajan Khosla. During the session, the director shared insights into his creative process, the challenges he faced while making *Gattu,* and his journey in the film industry.

Students actively engaged in the discussion, asking questions about the nuances of filmmaking and gaining valuable knowledge about the dynamics of the industry.

The program concluded with a vote of thanks, leaving the audience inspired and fostering a deeper appreciation for the art of cinema. This initiative by the Department of Journalism and Mass Communication underscored its commitment to enriching students' academic and creative education by connecting them with industry stalwarts.

CUHP Professor, Pradeep Nair Makes it to the UN Pool of Experts

Vice Chancellor, Professor Sat Prakash Bansal, congratulates Professor Nair

Dharamshala Central University of Himachal Pradesh (CUHP) Professor of New Media & Director Research, Dr.Pradeep Nair has been appointed by the Division for Ocean Affairs and the Law of the Sea of United Nations as a member of the Pool of Experts of the United Nations Regular Process for Global Reporting and Assessment of the State of the Marine Environment. He is listed under "Specialty 5: The Indian Ocean, the Arabian Sea, the Bay of Bengal, the Red Sea and the Gulf of Aden and the Persian Gulf." He is a recipient of the Future Earth Coasts Fellowship for the year 2024.

Hundreds of experts from diverse disciplines and locations are required to support the preparation of the assessments conducted under the Regular Process.

Professor Nair is also a UNFCCC Expert on Climate Change Adaptation, Mitigation and Resilience. This is a pro-bono position and stems from his work in ocean governance and diplomacy space. The United Nations is working to ensure peaceful, cooperative, legally defined uses of the seas and oceans for the individual and common benefit of humankind.

"Based on the annotated outline of the third World Ocean Assessment (WOAIII) my job will be to undertake reviews based on my expertise in the area of Ocean Diplomacy and Governance for the third cycle to identify those categories that are relevant to the assessment," said Prof. Nair.

CU Vice Chancellor, Professor Sat Prakash Bansal, congratulated Professor Nair for this achievement and said that this is a proud moment for the university when such teachers are leaving a mark of the Central University on the world stage. He further said that the university will provide every possible help to Professor Nair and all other teachers.

Professor Nair emphasized the critical need for global collaboration in addressing pressing marine challenges, particularly in the context of climate change and sustainable development. He highlighted that this position offers an opportunity to bring Indian perspectives to global platforms.

Faculty and students of the Central University of Himachal Pradesh expressed their admiration and congratulated Professor Nair for his exceptional contribution. His appointment underscores the university's growing role in fostering global academic and environmental leadership.

Prof. Jagmeet Bawa Elected as Executive Member of the Indian Political Science Association (IPSA)

Dharamshala Prof. Jagmeet Bawa has been elected as an executive member of the Indian Political Science Association (IPSA), a highly esteemed organization within the field of political science in India and beyond. Established in 1938, IPSA is one of the most respected associations within the social sciences, with a rich history of fostering academic research, discourse, and collaboration among political scientists. The election took place at IPSA's 61st Conference and National Seminar, hosted on October 18 and 19, 2024, at Maharaja Ganga Singh University, Bikaner. The event brought together prominent scholars and researchers to discuss pressing issues in political science, and the new governing body was elected to guide IPSA's continued impact in the field. Since its founding, IPSA has contributed significantly to the advancement of political science in India. It is also a founding member of the International Political Science Association, which underscores its standing in the global academic community. Known for publishing two acclaimed research journals—one in Hindi and another in English—IPSA provides a prominent platform for scholarly contributions across linguistic and cultural boundaries.

यूजीसी की नेट/सेट परीक्षा में छाए सीयू के होनहार

100 से अधिक विद्यार्थी-शोधार्थी हुए उत्तीर्ण, 35 छात्राओं ने मारी बाजी

धर्मशाला। हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय के 100 से अधिक विद्यार्थियों-शोधार्थियों ने अगस्त-सितंबर, 2024 में यूजीसी जेआरएफ/नेट/पीएचडी प्रवेश पात्रता परीक्षा में परचम लहराया है। इनमें 35 छात्राओं ने यूजीसी की विभिन्न परीक्षाओं में विश्वविद्यालय का नाम रोशन किया है। इसमें हिप्रकेवि बिजनेस स्कूल विभाग, राजनीति विज्ञान विभाग और शिक्षा विभाग के विद्यार्थी-शोधार्थी सबसे अधिक संख्या में शामिल हैं।

हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग से रंजोत दास (पीएचडी), उत्कर्षणी तिवारी (नेट), साक्षी नंदा (पीएचडी), याकूब खान (पीएचडी), गीतिका नंदा (पीएचडी), नीतिश कुमार (नेट), शेख शमीना (नेट), सभ्य भल्ला (नेट), स्मृति ठाकुर (नेट), अमन कुमार (पीएचडी), विशाल चौधरी द्वारा पीएचडी की परीक्षा पास की गई है। वहीं भारतीय मत, पंथ, सम्प्रदाय एवं सेमेटिक धर्म अध्ययन केंद्र से अजय कुमार ने जेआरएफ एवं श्रुति शर्मा ने पीएचडी की परीक्षा पास की है। पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग से अभिषेक ने जेआरएफ, दीक्षा ने नेट, आमुल राठौर और शौर्य शर्मा ने पीएचडी प्रवेश के लिए पात्रता परीक्षा उत्तीर्ण की है। शिक्षा कूल से हिमांशू ने जेआरएफ, शिवम, नंदिता, हितेश, विक्रम, अजय ने नेट, सोम कृष्ण, संजय ने पीएचडी पात्राता परीक्षा, रश्मि और संजोगिता ने सेट की परीक्षा उत्तीर्ण की है। अंग्रेजी विभाग से रिया हरयाल, अभय सिंह, मुस्कान शर्मा, शीतल वशिष्ठ, आश्लेषा ने नेट की परीक्षा, वाणिज्य विभाग से अभिषेक ने जेआरएफ, शिवानी, राजकुमारी और ओंकार सिंह ने नेट, अंजू, अभय डोगरा और ईशान ठाकुर ने पीएचडी प्रवेश के लिए पात्रता परीक्षा, पादप विज्ञान विभाग से प्रिया शर्मा ने जेआरएफ, संचिता गौतम ने नेट की परीक्षा पास की है। वहीं पर्यटन एवं यात्रा प्रबंधन विभाग से सनी धतवालिया, विपन कुमार ने जेआरएफ, मनोज कुमार, निहाल कपूर, अभिषेक कुमार और अनुज शर्मा ने नेट की परीक्षा उत्तीर्ण की है। विश्वविद्यालय के देहरा परिसर से समाजशास्त्र एवं समाज नृविज्ञान विभाग से शंकरपु अस्विथ ने नेट की परीक्षा, दृश्य कला विभाग से नितिन ने नेट की परीक्षा, समाज कार्य विभाग से प्रतिख्या देवी ने नेट और इतिहास विभाग से मानवी शर्मा ने नेट की परीक्षा उत्तीर्ण की है। संस्कृत विभाग से मोहित शर्मा और पुष्प राज ने नेट की परीक्षा उत्तीर्ण की है।वहीं पंजाबी एवं डोगरी विभाग के दो शोधार्थियों जगजीत सिंह और अजय कुमार ने नेट की परीक्षा, श्रीनिवास रामानुजन गणित विभाग से विश्वेन्द्र सिंह ने जेआरएफ, पीयूष ने नेट, अंशिका, पंकज कुमार और साहिल ठाकुर ने पीएचडी प्रवेश के लिए पात्रता परीक्षा, जंतु विज्ञान विभाग से कोमल भाटिया और साक्षी शाह ने जेआरएफ, नेहा ठाकुर और अंकित ने नेट की परीक्षा, हिंदी विभाग से सोनिया ठाकुर, रूचि शर्मा, हर्ष भारद्वाज, पीयूष कुमार, सिद्धार्थ कुमार, अभय ने नेट की परीक्षा, रसायन विज्ञान विभाग से प्रियंका, भारती कश्यप, शगुन, सुनील कुमार ने सेट की परीक्षा, भौतिकी एवं खगोलशास्त्र विज्ञान विभाग से अंशुल कुमार ने जेआरएफ, साक्षी कौंडल, रितिक सकलानी ने सेट, अक्षय कुमार ने नेट, मनोज कुमार ने जेआरएफ, सेट और गेट, जयदीप ने गेट की परीक्षा उत्तीर्ण की है। वहीं हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय के सीबीबी केंद्र से विशाल सिंह ने गेट की परीक्षा पास की है। नव मीडिया विभाग से सुविज्ञ शुक्ला ने जेआरएफ की परीक्षा, एचपीकेवि बिजनेस स्कूल विभाग से अनीश अग्रवाल (पीएचडी), अनमोल जोल (नेट), चेतन आर. खावला (नेट), विकल्प चौहान (पीएचडी), सिद्धांत गुप्तान, विक्रांत कौंडल, मनीषा चौहान, कृतिका शर्मा (पीएचडी), गुलाब कुमार, दिव्यांनशु, साहिल (नेट) की परीक्षा उत्तीर्ण की है। योग अध्ययन केंद्र से अंजु कुमारी (जेआरएफ), अतुल कपूर और आदर्श श्रीवास ने नेट की परीक्षा पास की है। अर्थशास्त्र विभाग से कुशल ठाकुर ने सेट की परीक्षा पास की है। हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्व विद्यालय के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग से विकास कुमार ने नेट की परीक्षा पास की है। सभी सफल विद्यार्थियों का कुलपति प्रो सत प्रकाश बंसल ने शुभकामनायें प्रदान कीं।

राष्ट्रीय युवा महोत्सव में भागेदारी निभाएगा केंद्रीय विवि – प्रो. बंसल

धर्मशाला। हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सत प्रकाश बंसल ने कहा कि राष्ट्रीय युवा महोत्सव में केंद्रीय विश्वविद्यालय अपनी सहभागिता निभाने जा रहा है। MY Bharat Portal (https://mybharat.gov.in) जो भारत सरकार के युवा मामले विभाग की ओर से शुरू किया गया एक प्लेटफॉर्म है। पोर्टल पर उपलब्ध एक प्रमुख अवसर ''विकसित भारत युवा नेता संवाद'', अर्थात् पुनः परिकल्पित 'राष्ट्रीय युवा महोत्सव, 2025' से संबंधित है। इस महोत्सव की एक महत्वपूर्ण विशेषता ''विकसित भारत चैलेंज'' है, जिसमें एक प्रश्नोत्तरी, निबंध लेखन खंड और एक विज़न डेक का विकास शामिल है।

इस बहु-स्तरीय चुनौती के माध्यम से चुने गए युवाओं को 11 और 12 जनवरी 2025 को नई दिल्ली में आयोजित होने वाले दो दिवसीय राष्ट्रीय स्तर के संवाद के दौरान सीधे माननीय प्रधानमंत्री के सामने विकसित भारत के अपने दृष्टिकोण को प्रस्तुत करने का अभूतपूर्व अवसर मिलेगा। उन्होंने बताया कि इस चुनौती चरण 1, यानी विकसित भारत प्रश्नोत्तरी 25 नवंबर से 5 दिसंबर, 2024 तक MY Bharat Portal पर सभी युवाओं (15-29 वर्ष की आयु) के लिए उपलब्ध है। छात्र ''विकसित भारत चैलेंज'' में पंजीकरण करेंगे। पहले डिजिटल रहने वाले इस चरण में विकसित भारत क्विज़ (प्रारंभिक): व्यक्तिगत प्रतिभागी सामान्य ज्ञान और भारत की उपलब्धियों पर एक ऑनलाइन क्विज़ में भाग लेंगे। यह एक सामान्य प्रश्नोतरी रहेगी। रैंक सूची नवंबर में घोषित की जाएगी, इसमें भी प्रोत्साहन स्वरूप ऑनलाइन भागीदारी प्रमाणपत्र दिया जाएगा। वहीं चरण 2 डिजिटल रहेगा। 8 दिसंबर से 15 दिसंबर तक चलने वाले इस चरण में निबंध लेखन रहेगा। इसमें चयनित प्रतिभागी "विकसित भारत" के तहत 1,000 शब्दों का निबंध प्रस्तुत करेंगे। परिणाम 18 दिसंबर को घोषित किया जाएगा। इसमें भी प्रोत्साहन स्वरूप संबंधित प्राधिकारी से प्रशंसा पत्र मिलेगा।

चरण 3 के तहत विकसित भारत पीपीटी चैलेंज (20 दिसंबर-26 दिसंबर) तक चलेगा। इसमें प्रत्येक ट्रैक से 100 चयनित उम्मीदवारों को राज्य स्तर के लिए आमंत्रित किया जाएगा। प्रत्येक राज्य अपने-अपने ट्रैक से शीर्ष 4 प्रतिभागियों का चयन करेगा, जो राज्य की टीम का हिस्सा बनेंगे। प्रत्येक राज्य राष्ट्रीय चैम्पियनशिप के लिए प्रत्येक थीम में आनुपातिक रूप से टीमें भेजेगा। आकार के आधार पर प्रति राज्य 10-20 टीमें भेजी जाएंगी।

प्रोत्साहन स्वरूप सांसद/मुख्यमंत्री से प्रशंसा पत्र मिलेगा। चरण 4 के तहत विकसित भारत चैंपियनशिप (राष्ट्रीय युवा महोत्सव) का ''11 जनवरी को एलिमिनेशन राउंड आयोजित किया जाएगा, जिसमें फाइनल के लिए शीर्ष टीमों का चयन किया जाएगा। ये शीर्ष टीमें 12 जनवरी को प्रधानमंत्री के समक्ष अपनी प्रस्तुति देंगी। इसमें प्रोत्साहन स्वरूप प्रधानमंत्री से प्रशंसा पत्र मिलेगा। इसी के तहत पूर्ण सत्र और पैनल चर्चा का आयोजन किया जाएगा। जिसमें उद्घाटन, मध्य सत्र और समापन समारोह के दौरान पूर्ण सत्र आयोजित किए जाएंगे, जिनमें प्रभावशाली राष्ट्रीय और वैश्विक नेताओं की भागीदारी होगी, साथ ही माननीय प्रधानमंत्री का भव्य पूर्ण सत्र भी शामिल होगा। वहीं विकसित भारत प्रदर्शनी- विजन @2047 के तहत राष्ट्रीय युवा

महोत्सव में विकसित भारत प्रदर्शनी में राज्यों और केंद्रीय मंत्रालयों की युवा-केंद्रित पहलों को प्रदर्शित किया जाएगा,जिससे युवाओं को अवसरों का पता लगाने और भारत के विकसित भारत विजन को आकार देने वाले हितधारकों के साथ जुड़ने के लिए इंटरैक्टिव अनुभव मिलेंगे। 'विकास भी विरासत थीम पर आधारित एक भव्य सांस्कृतिक प्रदर्शनी का आयोजन किया जाएगा, जिसमें प्रकाश और ध्वनि शो, सांस्कृतिक प्रस्तुतियां, और नृत्य प्रदर्शन शामिल होंगे।

सीयू के सिद्धार्थ-पीयूष "यूको राजभाषा सम्मान" से पुरस्कृत

धर्मशाला। हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय के दो छात्रों सिद्धार्थ शेखर सिंह और पीयूष कुमार को स्नातकोत्तर हिंदी परीक्षा में पहला और दूसरा स्थान हासिल करने पर यूको बैंक धर्मशाला की ओर से "यूको राजभाषा सम्मान" से पुरस्कृत किया गया है। इस मौके के पर दोनों विद्यार्थियों को 5000- 5000 की राशि का चेक और स्मृतिका भेंट की गई है। केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सत प्रकाश बंसल ने दोनों विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की है। यह सम्मान नराकास, धर्मशाला के अध्यक्ष संजय धर ने प्रदान किया। इस मौके पर यूको बैंक, अंचल कार्यालय से रितेश कुमार (राजभाषा अधिकारी) एवं अभिनव बुराड (मुख्य प्रबंधक) मौजूद रहे।

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (नराकास), धर्मशाला की द्वितीय छमाही बैठक का आयोजन जिला ग्रामीण विकास प्राधिकरण कार्यालय के सम्मेलन कक्ष में हुआ। इस बैठक में नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, धर्मशाला के अंतर्गत सभी कार्यालय प्रमुखों ने भाग लिया। इस संबंध में केंद्रीय विश्वविद्यालय के सहायक निदेशक राजभाषा ने बताया कि यूको बैंक द्वारा विगत कुछ वर्षों से "यूको राजभाषा सम्मान" प्रदान किया जा रहा है, जिसका उद्देश्य राजभाषा हिंदी के संवर्धन और विकास को प्रोत्साहित करना है। भारतीय संविधान के अनुच्छेद 351 की भावना को ध्यान में रखते हुए, हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय के स्नातकोत्तर हिंदी के दो सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाले मेधावी छात्रों को यह सम्मान प्रदान किया गया। स्नातकोत्तर हिंदी परीक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले सिद्धार्थ शेखर सिंह, जिन्होंने 77.53 प्रतिशत अंक प्राप्त किए, और द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले पीयूष कुमार, जिन्होंने 76.03 प्रतिशत अंक प्राप्त किए, को सम्मानित किया गया। इन दोनों छात्रों को "यूको राजभाषा सम्मान" के अंतर्गत दोनों विद्यार्थियों को 5000- 5000 की राशि का चेक और स्मृतिका भेंट की गई। यह आयोजन राजभाषा हिंदी के विकास और संवर्धन में एक महत्वपूर्ण कदम है, जो छात्रों को हिंदी भाषा के प्रति प्रोत्साहित करेगा और हिंदी के प्रति सम्मान और गर्व की भावना को बढ़ावा देगा।

यूको बैंक धर्मशाला द्वारा वर्ष 2019 से हिंदी विभाग, केंद्रीय विश्वविद्यालय के स्नातकोत्तर विद्यार्थियों को यह राजभाषा सम्मान प्रदान किया जा रहा है । विगत वर्षों में यूको बैंक धर्मशाला द्वारा वर्ष 2019 में तेजिन छुकित और रिचा, वर्ष 2020 में रितिक मेहरा और सिद्धांत शर्मा तथा वर्ष 2023 में रुपानी और हरीश कुमार को सम्मानित किया जा चुका है ।केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सत प्रकाश बंसल ने दोनों विद्यार्थियों सिद्धार्थ शेखर सिंह और पीयूष कुमार को बधाई दी है। उन्होंने कहा कि यूको बैंक का यह प्रयास सराहनीय है। दोनों विद्यार्थियों को पुरस्कार मिलना विश्वविद्यालय के लिए यह गौरव की बात है। इसके लिए हिंदी विभाग के सभी संकाय सदस्य बधाई के पात्र हैं।

अभिनव सोलर-पावर्ड डिजिटल मापने वाले उपकरण का यूके में हुआ पेटेंट

धर्मशाला। हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय के जन्तु विज्ञान विभाग के आचार्यों की एक टीम ने सोलर-पावर्ड डिजिटल मछली मेजरिंग डिवाइस विकसित किया है, जो यूके में एक प्रतिष्ठित पेटेंट प्राप्त करने वाली एक अद्वितीय उपलब्धि है। टीम के अनुसार कुलपति प्रो. सत प्रकाश बंसल के दूरदर्शी नेतृत्व, अधिष्ठाता अकादमिक प्रो. प्रदीप के मार्गदर्शन और जन्तु विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. सुनील कुमार के सक्रिय समर्थन के तहत, विभाग ने अनुसंधान और नवाचार के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है।

यह अत्यधुनिक उपकरण मछलियों के आकारिकी (मॉर्फोमेट्रिक) और गणनात्मक (मेरिस्टिक) अध्ययनों में एक अग्रणी कदम है, जो अद्वितीय सटीकता और पर्यावरण के अनुकूल संचालन प्रदान करता है। यह उपकरण उन्नत विशेषताओं से सुसज्जित है, जैसे कि परिष्कृत सेंसर और इमेज रिकग्निशन तकनीक द्वारा संचालित स्केल-काउंटिंग मॉड्यूल, जो मछलियों के स्केल की सटीक पहचान सुनिश्चित करता है। इसका डिजिटल मापन तंत्र, जिसमें एम्बेडेड सेंसर और एक एलसीडी डिस्प्ले शामिल है, मछलियों की लंबाई और अन्य आयामों की सटीक रीडिंग प्रदान करता है, जिससे मत्स्य डेटा संग्रह की गुणवत्ता में महत्वपूर्ण सुधार होता है।

कुलपति प्रो. सत प्रकाश बंसल, कुलसचिव प्रो. सुमन शर्मा और अधिष्ठाता अकादमिक प्रो. प्रदीप ने जन्तु विज्ञान विभाग के संकाय सदस्यों कुशाल ठाकुर, दानिश महाजन और प्रो. सुनील कुमार, डॉ. राकेश और डॉ अमित शर्मा को इस उल्लेखनीय उपलब्धि के लिए हार्दिक बधाई दी, जिसमें उन्होंने यह अभिनव उपकरण विकसित किया है और इसे यूके का प्रतिष्ठित पेटेंट प्राप्त हुआ है। कुलपति प्रो. सत प्रकाश बंसल ने विभाग की प्रशंसा करते हुये कहा कि विश्वविद्यालय को यह महत्त्वपूर्ण उपलब्धि प्राप्त हुई है । जन्तु विज्ञान विभाग के सभी संकाय सदस्यों के इस प्रयास से निश्चित रूप से हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय को शोध विश्वविद्यालय बनने में बल मिलेगा । यदि जन्तु विज्ञान विभाग के समान यदि विश्वविद्यालय का प्रत्येक विभाग अनुसन्धान के मार्ग पर अग्रसर होगा तो विश्वविद्यालय की ख्याति देश भर में बढ़ेगी ।

केंद्रीय विवि के कश्मीर अध्ययन केंद्र के शोधार्थी प्रवीन कुमार उत्कृष्ट शोध पत्र के लिए सम्मानित

धर्मशाला। हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय के कश्मीर अध्ययन केंद्र से शोधार्थी प्रवीन कुमार को मध्यप्रदेश लोक कला एवं बोली विकास अकादमी द्वारा उत्कृष्ट शोध पत्र प्रस्तुत करने के लिए सम्मानित किया गया। विशेषज्ञ समिति ने उत्कृष्ट शोध पत्र के लिए शोधार्थी को दस हजार रुपये के पुरस्कार तथा 'वंश वृक्ष' प्रतीक रूप में सम्मानित किया । शोधार्थी के शोध पत्र के प्रस्तुतीकरण की देशभर से आए हुए सभी विद्वानों द्वारा विशेष रूप से सराहना की गई।

जनजातीय लोक कला एवं बोली विकास अकादमी, मध्यप्रदेश द्वारा महेश्वर में दिनांक 15-17 नवंबर 2024 को आयोजित 'गोत्र : उद्भव मान्यता और प्रतीक' विषयक इस संगोष्ठी में प्रवीन कुमार ने 'जम्मू कश्मीर की गुज्जर बकरवाल जनजाति में गोत्र परम्परा' के प्रचलन पर आधारित अपना शोध पत्र प्रस्तुत किया। प्रवीन कुमार की की इस सफलता पर विवि प्रशासन ने उन्हें ढ़ेरों बधाईयाँ दी हैं।

केंद्रीय विवि द्वारा क्षय रोग (टी.बी.) से निपटने के प्रयासों की सराहना और सम्मान

"टी.बी. समाप्त करने में नवाचार की अद्वितीय पहल" के लिए पुरस्कार से नवाजा गया

धर्मशाला। धर्मशाला में मुख्य जिला चिकित्सा अधिकारी, जिला कांगड़ा द्वारा आयोजित रेड रिबन क्लब की बैठक मे हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय के रेड रिबन क्लब द्वारा टी.बी. से निपटने के लिए किए गए प्रयासों की सराहना की गई। रेड रिबन क्लब की नॉडल अधिकारी डॉ. शशि पूनम ने बताया कि हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय का रेड रिबन क्लब टी.बी. की रोकथाम और जागरूकता फैलाने के लिए लगातार विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन करता रहता है। इन कार्यक्रमों का उद्देश्य विद्यार्थियों और स्थानीय लोगों के बीच स्वास्थ्य शिक्षा को बढ़ावा देना तथा टी.बी. ग्रसित रोगियों के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण प्रोत्साहित करना है। इस उत्कृष्ट प्रयास के लिए, हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय के रेड रिबन क्लब को "टी.बी. समाप्त करने में नवाचार की अद्वितीय पहल" के लिए पुरस्कार से नवाजा गया। यह पुरस्कार हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय के समाज कार्य विभाग की शोद्धार्थी बबीता शर्मा ने जिला कांगड़ा के मुख्य चिकित्सा अधिकारी से प्राप्त किया। जिला काँगड़ा के मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय के रेड रिबन क्लब की इस महत्वपूर्ण पहल को प्रभावी और प्रेरणादायक बताया। इसके अलावा बैठक में उपस्थित अन्य रेड रिबन क्लबों के सदस्यों ने भी इस पहल को सराहते हुए इसे अन्य संस्थानों के लिए अनुकरणीय मॉडल बताया।

सीयू को मिला बेंचमार्क यूनिवर्सिटी फॉर रिसर्च पुरस्कार

ईपीएन-एजुकेशन पोस्ट न्यूज, आईआईआरएफ के सहयोग से दिल्ली में समारोह

धर्मशाला। ईपीएन-एजुकेशन पोस्ट न्यूज, आईआईआरएफ के सहयोग से भारत में उच्च शिक्षा संस्थानों के लिए वार्षिक "एनआईआरएफ एजुकेशन इम्पैक्ट अवार्ड्स 2025" आयोजित किया गया। आईआईआरएफ और मैकशन कंसल्टिंग की ओर से आयोजित आईआईआरएफ 2024 (सर्वेक्षण और द्वितीयक अनुसंधान / अवधारणात्मक डाटा) के आधार पर, हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय धर्मशाला को बेंचमार्क यूनिवर्सिटी फॉर रिसर्च पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। एजुकेशन पोस्ट न्यूज़ और फेडरेशन फॉर वर्ल्ड एकेडमिक्स (एफडब्ल्यूए) की ओर से आयोजित दिल्ली में 7वें उद्योग-अकादमिक एकीकरण कॉन्क्लेव के दौरान यह सम्मान दिया गया। केंद्रीय विवि के शिक्षा स्कूल के अधिष्ठाता प्रो. मनोज सक्सेना ने विश्वविद्यालय की ओर से यह पुरस्कार ग्रहण किया। गौरतलब है कि इस कॉन्क्लेव में उद्योग और शैक्षणिक जगत से 200 से अधिक पेशेवरों को आमंत्रित किया गया है और कार्यक्रम में तीन पैनल चर्चाओं का आयोजन किया गया, जिनमें आईआईटी, आईआईएमएस, एम्स के निदेशकों और केंद्रीय विश्वविद्यालयों के कुलपतियों द्वारा चर्चा की गई। कॉन्क्लेव के दूसरे भाग में स्टार्टअप शिखर सम्मेलन आयोजित हुआ, जिसमें अग्रणी स्टार्टअप और एडटेक कंपनियों के संस्थापकों द्वारा विशेष सत्र आयोजित किया गया। जिसके बाद पुरस्कार समारोह आयोजित किया गया।

सम्मेलन का उद्घाटन सम्मानित मुख्य अतिथि, राष्ट्रीय शैक्षिक प्रौद्योगिकी मंच (NETF) के अध्यक्ष और NAAC और NBA के अध्यक्ष प्रो. अनिल डी. सहस्रबुद्धे ने किया। उन्होंने भारत के वर्तमान और भविष्य दोनों में जनसांख्यिकीय लाभांश का लाभ उठाने पर एक व्यावहारिक मुख्य भाषण दिया। इस कार्यक्रम में कई प्रतिष्ठित नेता भी मौजूद थे, जिनमें एफडब्ल्यूए के अध्यक्ष डॉ. इरफान ए रिजवी, आईआईएम जम्मू के निदेशक डॉ. बीएस सहाय, आईआईएम नागपुर के निदेशक प्रो. भीमराय मेट्री और जनार्दन राय नागर राजस्थान विद्यापीठ, उदयपुर के कुलपति प्रो. कर्नल एसएस सारंगदेवोत शामिल रहे। कार्यक्रम का एक प्रमुख आकर्षण 20 पैनल चर्चाएँ थीं, जिसमें कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की गई। पैनल ने रोजगार योग्यता पर तकनीकी प्रगति के प्रभाव, 21वीं सदी के कार्यबल में आवश्यक कौशल सेट विकसित करने और भारत के जनसांख्यिकीय लाभांश का लाभ उठाने की रणनीतियों जैसे विषयों पर गहन चर्चा की। विशेषज्ञों ने चर्चा की, कि कैसे शिक्षा प्रणाली और उद्योग के कौशल अंतर को पाटने के लिए सहयोग करने की आवश्यकता है, जिससे यह सुनिश्चित हो सके कि भारत के युवा तेजी से प्रतिस्पर्धी वैश्विक बाजार में सफल होने के लिए सही कौशल से लैस हों।

"केंद्रीय विश्वविद्यालय शोध के क्षेत्र में लगातार प्रयासरत है। विश्वविद्यालय को शोध विश्वविद्यालय के रूप में नई पहचान मिले, इसके लिए हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं। बेंचमार्क यूनिवर्सिटी फॉर रिसर्च पुरस्कार से सम्मानित होना गौरव की बात है। सभी के सहयोग से विवि अपनी पहचान बना रहा है।"– **प्रो. सत प्रकाश बंसल।**

Chief Patron
Prof. Sat Prakash Bansal, Honb'le Vice Chancellor
Patron
Prof. Pradeep Kumar, Dean Academics
Co-Patron
Prof. Suman Sharma, Registrar

Editorial Board

Editor-in-Chief: Prof. Aditya Kant, Eminent Professor, Department of Journalism and Mass Communication
Editor: Dr. Ram Pravesh Rai, Dean, SoJMC&NM & Director Public Relations
Deputy Editor: Shri Deepak Vaishnav, Assistant Professor, Department of New Media & Assistant Director Public Relations

Language Editor (Hindi)	Prof. Chandra Kant Singh, Professor, Department of Hindi
Language Editor (English)	Dr. Hem Raj Bansal, Associate Professor, Department of English
Language Editor (Other)	Dr. Vivek Sharma, Assistant Professor, Department of Sanskrit, Dr. Naresh, Assistant Professor, Department of Punjabi,
In charge News	Dr. Pooja Avasthi, PRO, Prof. Roshan Lal Sharma, Campus Director, Dhauladhar Parisar –I OR Nominee, Prof. Ashish Nag, Campus Director, Dhauladhar Parisar –II, Prof. Bhag Chand Chauhan, Campus Director, Shahpur Parisar, Prof. Narayan Singh Rao, Campus Director, Sapt Sindhu Parisar Dehra-I, Prof. Nirupama Singh, Campus Director, Sapt Sindhu Parisar Dehra-II, News Placement Shri Sanjay Kumar Singh, Assistant Director Official Language, News Typing Shri Sumit Sharma, Hindi Typist, Rajbhasha Anubhag
News reporters	Shri Pawan Sharma, RD, Journalism and Mass Communication, Shri Shivam, RD, New Media, Shri Sarvesh Kumar Mishra, RD, New Media, Ms. Komal Vekta, RD, Journalism and Mass communication, Shri Krishna Kharwar, RD, New Media, Ms. Apoorva Shrivastava, RD, New Media, Shri Amit Yadav, RD, New Media

Disclaimer: Articles carried in the News Letter are only for the purpose of information and should not be treated as a legal document